- 17th Year
- Issue: 316
- 06.04.2024 (SATURDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From Rourkela

चरम पर देश का विकास, राजस्थान में बोले मोदी, हम जो ठान लेते हैं, वो पूरा करके दिखाते हैं

चूरू ०५/०४ (संवाददाता): लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुक्रवार को राजस्थान के चूरू में सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि राजस्थान पराक्रम और परिश्रम की धरती है। ये वीर बेटों को जन्म देने वाली वीर.वीरांगना माताओं की पवित्र भूमि है।

इसीलिए राजस्थान जो ठान लेता हैए वो पत्थर की लकीर बन जाता है। यही जज्बा मैं अपने सामने देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि राजस्थान का किसानए मेरे राजस्थान का नौजवान और आप सब माताएं.बहनेंए इतनी बड़ी सं या में दूर.दूर से हमें अपना आशीर्वाद देने आए हैं। पूरा राजस्थान कह रहा है . फिर एक बार मोदी सरकार।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चूरू में दिल्ली से नरेन्द्रए देवेंद्र के लिए आशीर्वाद मांगने आया है और जब नरेन्द्रए देवेंद्र के लिए आशीर्वाद मांगता हैए तो आप लोग छप्पर फाड़ कर आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया हैरान है कि भारत इतनी तेजी से कैसे विकास कर रहा हैघ् दुनिया को पता नहीं है कि भारत की इस मिट्टी की बात ही कुछ और है। उन्होंने कहा कि हम जो ठान लेते हैंए वो पूरा करके दिखाते हैं।

पिछले 10 साल में आपने देश को बदलते देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 में आपने गरीब के इस बेटे को अपनी सेवा का मौका दिया। हताशाए निराशा ये मोदी के पास भी नहीं फ्टक सकती। मैनें तय किया कि हालात बदलने ही होंगे। मेरे लिए तो मेरा भारतए मेरा परिवार है। हमने ईमानदारी से काम किया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि चुनौतियों को चुनौती देनाए यही तो हमारी मिट्टी की ताकत है। हमारे राजस्थान में तो कहते हैं . अपनी करणी पार उतरणी। हमने परिश्रम किया और परिणाम लाकर दिखा दिया। उन्होंने कहा कि आज हम जल जीवन मिशन योजना लेकर घर.घर में पानी का कनेक्शन देने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। राजस्थान में करीब 50 लाख घरों में पीने का शुद्ध पानी पहुंचाया जा चुका है। कांग्रेस सरकार हमारी इस योजना में भी भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं छोड़ती थी। लेकिन अब उन कमियों को भी दूर किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि राजस्थान के 4ण्50 करोड़ जरूरतमंदों को हर महीने मु त राशन भी दिया जा रहा है। यानी जीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है। जो काम इतने दशक में नहीं हुएए वो हमने 10 साल में करके दिखाए। इसलिए मैं कहता हूं. जब नीयत सहीए तो नतीजे सही। उन्होंने कहा कि जो काम अब तक हुआ हैए वो तो सिर्फ ट्रेलर है। अभी बहुत कुछ करना है। बहुत सारे सपने हैंए हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि आज देश में मोदी की गारंटी की चर्चा हो रही है। मोदी की गारंटी कैसे पूरी होती है और कितनी र तार से पूरी होती हैए राजस्थान उसका बहुत बड़ा उदाहरण है।

कविता को मिली के कविता से पूछताछ की अनुमति, जेल अधिकारियों को एक दिन पहले देना होगा नोटिस

०५/०४ (संवाददाता): दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो ;सीबीआई को कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद भारत राष्ट्र समिति ;बीआरएस नेता के कविता से पूछताछ करने और बयान दर्ज करने की अनुमति दे दी। यह आदेश जांच एजेंसी द्वारा दायर याचिका पर पारित किया गयाए जिसमें अदालत से बीआरएस नेता से पूछताछ करने की अनुमति मांगी गई थी। तेलंगाना के पूर्व मु यमंत्री केण्चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को प्रवर्तन निदेशालय ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में 15 मार्च को गिर तार किया था और वर्तमान में वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। आप नेता मनीष सिसौदिया और संजय

सिंह के बाद इस मामले में गिर तार होने वाली वह तीसरी हाई.प्रोफाइल राजनेता थीं। 21 मार्च को केजरीवाल इस मामले में गिर तार होने वाले पहले मौजूदा मु यमंत्री बने।मामले में कविता के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय के प्राथमिक आरोप के अनुसारए वह तथाकथित श्साउथ ग्रुपश् की सदस्य थीए जिसने अब खत्म हो चुकी नीति के तहत नौ खुदरा क्षेत्रों के बदले में आप नेताओं को 100 करोड़ की रिश्वत दी थी। जांच एजेंसी ने श्साउथ ग्रुपश् में शामिल युवजन श्रमिका रायथू कांग्रेस पार्टी ;वाईएससी आरसीपीद्ध के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे राघव मगुंटाए अरबिंदो समूह के प्रमोटर सरथ रेड्डी और दिल्ली स्थित व्यवसायी समीर महेंवज अन्य व्यक्तियों के नामों का भी खुलासा किया। उनकी गिर तारी के बादए कविता को 23 मार्च तक केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में भेज दिया गया था।

चुनाव आयोग का आतिशी को नोटिस, भाजपा जॉइन ना करने पर जेल भेजे जाने की धमकी का लगाया था आरोप

नयी दिल्ली ०५/०४ (संवाददाता): चुनाव आयोग ;ईसीद्ध ने आम आदमी पार्टी ;आपद्ध नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी को कारण बताओ नोटिस जारी किया हैए उनके इस दावे के बाद कि भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध ने उनसे अपने खेमे में शामिल होने के लिए संपर्क किया था। नोटिस में चुनाव आयोग ने मांग की है कि आतिशी ठोस सबूतों के साथ अपने आरोपों की पुष्टि करें। आतिशी ने दावा किया था कि उन्हें और तीन अन्य ।।च् नेताओं . सौरभ भारद्वाजए राघव चड्ढा और दुर्गेश पाठक . को सलाह दी गई थी कि वे भाजपा में शामिल हों या एक महीने में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिर तार किए जाने के लिए तैयार रहें। उन्होंने दावा किया कि भगवा पार्टी ने एक ष्बहुत करीबीष् व्यक्ति के माध्यम से उनसे इसमें शामिल होने के लिए संपर्क किया था। बुधवार को दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा

कि आतिशी को सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए मानहानि का नोटिस भेजा गया है। उन्होंने कहा कि आतिशी इस बात का सबूत देने में विफल रहीं कि उनसे किसनेए कैसे और कब संपर्क किया। आम आदमी पार्टी दिल्ली में संकट के दौर से गुजर रही हैए इसलिए हताशा में ऐसे बेबुनियाद आरोप लगा रही है। लेकिन हम उसे इससे दूर नहीं जाने देंगे। 2 अप्रैल को जारी मानहानि नोटिस में कहा गया है आपसे अनुरोध है कि आप उक्त भाषण को तुरंत वापस लें और अपनी माफी को टेलीविजन और सोशल मीडिया पर प्रमुखता से प्रसारित करेंए ऐसा न करने पर मेरे मुवक्किल को आपके खिलाफ अपने जोखिम और कीमत पर आपराधिक और नागरिक दोनों कार्यवाही शुरू करने के लिए बाध्य किया जाएगा।दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दो अन्य वरिष्ठ आप नेता अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में पहले से ही जेल में हैं। आप सांसद संजय सिंहए जिन्हें अक्टूबर में गिर तार किया गया थाए सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक दिन पहले जमानत दिए जाने के बाद मंगलवार को जेल से बाहर आ गए। चुनाव आयोग के नोटिस पर आतिशी की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार है.

कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र, पांच न्याय और 25 गारंटी को किया शामिल

नयी दिल्ली ०५/०४ (संवाददाता): कांग्रेस मु यालय में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी श्पांच न्याय और 25 गारंटी के वादों वाला घोषणा पत्र जारी किया है। इस खास मौके पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधीए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेता भी कांग्रेस मु यालय में मौजूद रहे। इस घोषणापत्र में शिहस्सेदारी न्यायशए शिकसान न्यायशए श्नारी न्यायशए श्श्रमिक न्यायश् और श्युवा न्यायश् जैसे पांच प्रमुख न्याय को शामिल किया गया है। पार्टी ने युवा न्याय के अंतर्गत पांच गारंटी की

बात कही है। इसके तहत ही 30 लाख सरकारी नौकरियां युवाओं को दी जाएंगी। उन्हे एक साल के लिए ट्रेनिंग कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये मिलेंगे। वहीं हिस्सेदारी न्याय में जाति जनगणना कराने और आरक्षण की सीमा को खत्म करने की अनुमति मिली है। किसान न्याय के तहत एमएसपी को कानूनी दर्जा दिए जाने का वादा किया है। वहीं कर्ज माफी आयोग और जीएसटी मुक्त खेती का भी वादा किया गया है।पार्टी ने श्रमिक न्याय के तहत मजदूरों के स्वास्थ्य का अधिकार देनेए न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये रोजानाए रोजगार गारंटी देने का वादा किया है। नारी न्याय में महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को एक लाख रुपये हर वर्ष दिए जाने का वादा किया है। कांग्रेस ने आर्थिक रुप ये कमजोर वर्ग को आरक्षण देने का ऐलान किया है। आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 50 फीसदी करने का भी ऐलान किया है। पार्टी ने जाति आधारित जनगणना करने का भी वादा किया है।पार्टी ने कहा कि सत्ता में आने के बाद नई शिक्षा नीति को लेकर राज्य सरकारों के साथ परामर्श कर उसमें जरुरी बदलाव करेगी। बीते 10 वर्षों के दौरान भ्रष्टाचार में मामलों की जांच भी कराए जाने का वादा किया गया है। ये जांच ऊपरी अदालतों में जजों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट के साथ राष्ट्रीय न्यायिक आयोग का गठन होगा।

मदरसा बोर्ड पर हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम रोक

लखनऊ ०५/०४ (संवाददाता): सुप्रीम कोर्ट ने 5 अप्रैल 2024 को सुनवाई के दौरान श्उत्तर प्रदेश बोर्ड मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004श् को असंवैधानिक करार देते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा. इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह निष्कर्ष कि मदरसा बोर्ड की स्थापना धर्मनिरपेक्षता यानी सेक्युलरिज्म के सिद्धांतों का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 22 मार्च के आदेश को चुनौती देने वाली अपीलों पर नोटिस जारी किया है। गौरतलब हो गत 22 मार्च इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार दिया था। न्यायालय ने कहा है कि उक्त अधिनियम पंथ निरपेक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन कर रहा था। इसके साथ ही न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि वह प्रदेश के मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को औपचारिक एजुकेशन सिस्टम में दाखिला दें। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने अंशुमान सिंह राठौर की रिट याचिका पर पारित किया गया था। बता दें यूपी में करीब 16 हजार मदरसे हैं जिनमें कुल 13.57 लाख छात्र हैं।

जो 70 साल तक कुछ नहीं कर सके वो अब कमाल करने का दावा कर रहे हैं, कांग्रेस के घोषणापत्र पर भाजपा का वार

नयी दिल्ली ०५/०४ (संवाददाता): भाजपा ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र पर कटाक्ष किया और कहा कि इसकी गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि इसमें न्यूयॉर्क और थाईलैंड की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया है। भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने कहाए ष्हाल ही में सोशल मीडिया चेयरपर्सन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उनका सोशल मीडिया अकाउंट कौन संभाल रहा है। कम से कम पार्टी को तो पता होना चाहिए कि उनका घोषणापत्र कौन बना रहा है। पर्यावरण अनुभाग में इस्तेमाल की गई तस्वीर दिखाते हुए त्रिवेदी ने कहा कि यह तस्वीर राहुल गांधी के पसंदीदा स्थान थाईलैंड की है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में आई तो भारत में एक सुई भी नहीं बनती थी। यह बिल्कुल झूठ है। सीवी रमन को 1930 में नोबेल पुरस्कार मिला। भारतीय विज्ञान संस्थान ;बेंगलुरुद्ध की स्थापना 1909 में हुई। लेकिन वे यही मानते रहेंगे कि सबकुछ नेहरू के बाद हुआ।

उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने दशकों तक शासन किया वह दावा कर रही है कि अगर मौका मिला तो वह देश के लिए श्यहश् करेगीए श्वहश् करेगी! जो 70 साल तक कुछ नहीं कर सके वो अब कमाल करने का दावा कर रहे हैं! यह अजीब बात है!

तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यह मुझे एक कहावत की याद दिलाता है . आह को चाहिए इक उम्र असर होने तकण्ण्ण। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मेनिफेस्टो में जल प्रबंधन पर जो फोटो खींची गई हैए वो न्यूयॉर्क की बुफैलो नदी की है। साथ ही पर्यावरण स्वच्छता पर जो फोटो दिखाई दी हैए वो थाईलैंड की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र का नाम रखा है न्याय पत्र। मतलब इन्होंने मान लिया है कि 55 साल इन्होंने अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मेंए ळ7 और ळ20 देशों के बीच हमारी विकास दर सबसे अधिक है। पिछले दस वर्षों के दौरान ही भारत ने सबसे बड़ी प्रगति की है। कांग्रेस निरर्थक टिप्पणी करती रहती हैण् वास्तविकता जो प्रस्तुत की जाती है उसके बिल्कुल विपरीत है। अगर हम नकारात्मक विकास दर और उच्चतम मुद्रास्फीति की बात करें तो आपको बता दूं कि 1974 में मुद्रास्फीति की दर 26: थी और विकास दर 1ण्1: थी। क्या कहते हैं ये आंकड़ेघ् उन्होंने कहा कि कोविड के समय को छोड़करए मोदी सरकार के दौरान भारत को कभी भी नकारात्मक विकास दर का सामना नहीं करना पड़ा। यह केवल कांग्रेस शासन के तहत था कि भारत को नकारात्मक विकास दर से जूझना पड़ा।

मोदी ने बदली राजनीति की परंपरा, नड्डा बोले-किसान, महिला, युवा और गरीब... सभी का हुआ सशक्तिकरण

हरिद्वार ०५/०४ (संवाददाता): भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा लोकसभा चुनाव के मद्यनजर देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित प्राचीन माया देवी मंदिर में पूज्य साधु.संतों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा कि श्यही समय हैए सही समय हैश। ये जो सही समय हैए ये भारत के गौरव का है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश ने आध्यात्मिक जगत और सांसारिक जगत में बदलाव का दौर देखा है। आज से 10 साल पहले हम सभी कहीं न कहीं हीन भावना से ग्रसित हो रहे थे। हमारा नेतृत्व दिशा नहीं दे रहा था। नड्डा ने कहा कि ये

ऐसा दौर थाए जब भारत की आध्यात्मिक शक्ति क्षीण हो रही थीए जिस कारण से भारत पिछड़ रहा था। उन्होंने दावा किया कि बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक बदलता दौर हमने देखा। भू.राजनीति से लेकर विदेश नीति तकण्ण्ण् हर जगह मोदी जी ने भारत का परचम लहराया और भारतीय विचारधारा को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जिस सऊदी अरब में एक समय में पूजन भी वर्जित थाए उस सऊदी अरब में स्वामी नारायण का भव्य मंदिर बना है और उसका भी श्रीगणेश मोदी जी ने किया है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पाकिस्तानए बांग्लादेशए अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए हिंदुओंए सिखोंए बौद्धोंए जैनियोंए पारसियों और ईसाइयों को नागरिकता देने का काम मोदी जी ने किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी हर पल देश के नामए समाज के नामए देश के पुनर्जागरण के नाम पर काम कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग धर्म का प्रयोग चुनावी समय में करते हैं। वो कभी मंदिर नहीं जाते हैंए लेकिन चुनाव के समय मंदिरों के दर्शन करते हैंए जनेऊ पहनकर दिखाते हैं कि मैं भी जनेऊ पहनता हूं। ये लोग धर्म का उपयोग करने का प्रयास करते हैं। हरिद्वार में आयोजित त्रिदेव स मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव हमारे लिए सिर्फ जीतने के लिए नहीं हैए बल्कि रिकॉर्ड सीटों के अंतर से हमें जीत दर्ज करना है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा ही एक मात्र वैचारिक आधारित पार्टी हैए बाकी कोई भी राजनीतिक पार्टियां वैचारिक नहीं है। हमने वर्ष 1951.52 में कहा था कि एक देश में दो निशानए दो विधान और दो प्रधान नहीं रहेंगे।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

विविध समाचार

सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं–ममता बनर्जी

कूचबिहार ०५/०४ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मु यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी ;भाजपा पर लोकसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता ;एमसीसीद्ध का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जहरीले सांप पर भरोसा किया जा सकता हैए लेकिन भाजपा पर नहीं। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुएए बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियांए सीमा सुरक्षा बल ;बीएसएफद्ध और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ;सीआईएसएफद्ध भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से इस पर गौर करने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

मु यमंत्री ने कहाए श्आप एक जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैंए आप इसे पाल भी सकते हैंए लेकिन आप भाजपा पर कभी भरोसा नहीं कर सकतेण्ण्ण् भाजपा देश को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी ष्केंद्रीय एजेंसियों की धमकी के आगे नहीं झुकेगी।ष् बनर्जी ने कूचबिहार में महिलाओं से आग्रह किया कि अगर 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव से पहले ष्बीएसएफद्वारा स्थानीय लोगों पर अत्याचार करने की घटनाएं होती हैंष् तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं। टीएमसी प्रमुख ने कहाए श् केंद्रीय जांच एजेंसियां एनआईएए आयकर विभागए बीएसएफ और सीआईएसएफ भाजपा के लिए काम कर रही हैं। हम विनम्रतापूर्वक निर्वाचन आयोग से सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे।श्

बनर्जी ने कहा कि भाजपा केवल ष्एक राष्ट्रए एक पार्टीष् के सिद्धांत का पालन करती है। उन्होंने निसिथ प्रमाणिक के संदर्भ में कहाए ष्यह शर्म की बात है कि जिस व्यक्ति के खिलाफ कई मामले दर्ज हैंए उसे गृह राज्य मंत्री बनाया गया। जिसे हमारी पार्टी से निष्कासित कर दिया गयाए अब वह व्यक्ति भाजपा के लिए मूल्यवान है।ष् टीएमसी युवक कांग्रेस के पूर्व नेता प्रमाणिक को 2018 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए। कूचबिहार के पूर्व पुलिस अधीक्षक देबाशीष धर को बीरभूम से अपना उ मीदवार नामित करने के लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहाए श्भाजपा की सच्चाई इस तथ्य से झलकती है कि 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान सीतलकुची में पांच लोगों की हत्या के लिए जि मेदार व्यक्ति को उसने अपना उ मीदवार बनाया है।श्

राज्य में नागरिकता संशोधन अधिनियम ;सीएएद्ध को लागू नहीं करने की बात को दोहराते हुए बनर्जी ने कहा कि सीएए के लिए आवेदन करने पर आवेदक को विदेशी के रूप में नामित किया जाएगा। भाजपा को ष्जुमलाष् पार्टी करार देते हुए टीएमसी प्रमुख ने भगवा पार्टी पर सीएए के संबंध में ष्झूठ फैलानेष् का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहाए ष्सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने का एक जाल है। एक बार जब आप ;भाजपाद्ध सीएए लागू करेंगेए तो इसके बाद एनआरसी लागू होगा। हम पश्चिम बंगाल में न तो सीएए और न ही एनआरसी की अनुमति देंगे। यदि आप आवेदन करते हैंए तो आपको विदेशी के रूप में नामित किया जाएगा।ष् उन्होंने सीएए समिति में जनगणना विभाग के एक सदस्य को शामिल करने पर सवाल उठाते हुए कहाए ष्अगर भविष्य में एनआरसी के लिए उनके पास कोई योजना नहीं है तो ऐसे व्यक्ति को क्यों शामिल किया गया हैघ् सीएए सिर है और एनआरसी पूंछ है।ष् बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में ष्भाजपा के साथ हाथ मिलानेष् के लिए विपक्षी गुट ष्इंडियाष् के सहयोगियोंण्ण्ण् मार्क्सवादी क युनिस्ट पार्टी ;माकपाद्ध और कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि राज्य में विपक्षी मोर्चे का अस्तित्व समाप्त हो गया है।

उन्होंने आरोप लगाया पश्चिम बंगाल में कोई ष्इंडियाष् गठबंधन नहीं है। मैंने विपक्षी गठबंधन ष्इंडियाष् के गठन में अहम भूमिका निभाई। यहां तक ??कि गठबंधन का नाम भी मैंने ही दिया था। लेकिन माकपा और कांग्रेस बंगाल में भाजपा के लिए काम कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश में किसका खेल बिगाड़ेंगी मायावती, 17 साल पुराने फॉर्मूले से मिलेगी सफलता?

लखनऊ ०५/०४ (संवाददाता):उत्तर प्रदेश में सियासी बिसात जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रही है। कुछ समय पहले तक खामोश रही बहुजन समाज पार्टी अपनी ताकत दिखाने की शुरुआत कर चुकी है। उत्तर प्रदेश के चुनावी रण में मायावती ने अकेले मैदान में उतरने का फैसला लिया है। बड़ा सवाल यही है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में महज एक सीट पर सिमटने वाली बसपा लोकसभा चुनाव में क्या कमाल कर पाएगी। लेकिन जिस तरीके से मायावती टिकटों का बंटवारा कर रही हैंए उससे इस बात का संकेत साफ तौर पर हो रहा है कि बसपा खुद को कमजोर नहीं मानती। इतना ही नहींए कई सीटों पर मायावती समाजवादी पार्टी का खेल बिगाड़ती नजर भी आ रही हैं। साथ ही साथ 2007 में जिस सोशल इंजीनियरिंग के सहारे मायावती ने उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की थीए ठीक उनकी ओर से वैसा ही कुछ इस बार करने की कोशिश की जा रही है। मायावती का पूरा फोकस दलितए मुस्लिम और ब्राह्मणों पर दिखाई दे रहा है। मायावती की पार्टी की ओर से तीन अलग.अलग सूची जारी की गई है। बुधवार को 12 उ मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। इससे पहले 16 प्रत्याशियों की पहली और नौ उ मीदवारों की दूसरी सूची भी पार्टी की ओर से जारी की गई थी। बसपा की ओर से सभी सीटों पर नए चेहरे पर दांव लगाया गया है। 2019 में चुनाव जीतने वाले 10 सांसदों में से सिर्फ गिरीश चंद्र जाटव को ही टिकट दिया गया है। उनकी सीट बदल दी गई है। इस बार नगीना की बजाय बुलंदशहर से उन्हें उतर गया है। तीसरी लिस्ट की 12 प्रत्याशियों में तीन ब्राह्मणए तीन दलितए दो मुस्लिमए एक ठाकुर और एक खत्री के अलावा दो ओबीसी हैं। जबकि पहले जो 25 प्रत्याशियों की सूची जारी की गई थी उसमें आठ सवर्णए 7 मुस्लिमए 7 अनुसूचित जाति और दो ओबीसी को मैदान में उतर गया था।

पार्टी की ओर से ठीक इसी तरीके की रणनीति 2007 में दिखाई गई थी। मायावती की ओर से 2024 की चुनावी लड़ाई में ब्राह्मणए दलितए मुस्लिम का फार्मूला बनाया गया है। पार्टी की ओर से इन्हीं तीन जातियों को महत्व भी दिया जा रहा है। दलित और मुस्लिम समुदाय से 10.10 उ मीदवारों को अब तक टिकट दिया जा चुके हैं जबकि ब्राह्मण समुदाय से 8 प्रत्याशी उतारे गए हैं। इस सूची में पांच ठाकुर प्रत्याशी भी है। दिलचस्प बात यह भी है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीजेपीए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने एक भी ठाकुर प्रत्याशी नहीं दिया है। लेकिन बसपा ने तीन पर भरोसा जताया है। बसपा की ओर से मुरादाबादए संभलए अमरोहाए कन्नौजए लखनऊए रामपुरए सहारनपुर जैसी सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारे गए हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं इन सीटों पर समाजवादी पार्टी का खेल बिगाड़ सकता है।

क्यों छिपाए जा रहे मुस्लिम लीग के झंडे, वायनाड पहुंचीं स्मृति ईरानी का राहुल गांधी पर वार

वायनाड ०५/०४ (संवाददाता):केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने गुरुवार को वायनाड में भाजपा उ मीदवार और पार्टी के केरल प्रमुख के सुरेंद्रन के समर्थन में रैली करते हुए राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। रोड शो में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अमेठी के लोगों को धोखा देने के बाद राहुल गांधी वायनाड में भी ऐसा ही करने की तैयारी में हैं। उनका यह बयान पूर्व कांग्रेस प्रमुख द्वारा वायनाड में एक विशाल रोड शो आयोजित करने के एक दिन बाद आया हैए जहां से वह मौजूदा सांसद हैं। उन्होंने कहा कि जब ;नरेंद्रद्ध मोदी प्रधान मंत्री बने तो अमेठी में 4 लाख परिवारों को पहली बार शौचालय मिला। कांग्रेस ने वहां 50 साल तक शासन किया और मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही 12 लोगों को अपना घर मिला। स्मृति ईरानी ने कहा कि अबए मैंने सुना है कि वे वायनाड के लोगों को अपना परिवार कह रहे हैं। उन्होंने ;कांग्रेसद्ध परिवार के नाम पर अमेठी के लोगों को धोखा दिया और अब वे वायनाड में भी ऐसा ही करने का लक्ष्य बना रहे हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए वायनाड से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ शहर में रोड शो किया और क्षेत्र को अपना श्घरश् तथा लोगों को अपना श्परिवारश् बताया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रीए जो 2019 के आम चुनावों के दौरान अमेठी में गांधी के खिलाफविजयी हुई थींए ने जोर देकर कहा कि अगर गांधी को इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ;आईयूएमएलद्ध से शर्म आती हैए तो उन्हें उनके समर्थन को सिरे से खारिज कर देना चाहिए।

ईरानी ने आगे इंडिया ब्लॉक के प्रधान मंत्री पद के उ मीदवार की पहचान पर सवाल उठाया और इस बात पर संदेह जताया कि क्या राहुल गांधी उस पद के लिए उपयुक्त विकल्प थे। ईरानी ने जोर देकर कहा कि इंडिया गुट अपने सहयोगियों के बीच आंतरिक संघर्षों के कारण ष्टूटा हुआष् थाए विशेष रूप से वायनाड लोकसभा क्षेत्र के साथ.साथ राज्य भर में कांग्रेस और वाम दलों के बीच कलह को उजागर किया। इस बीच कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में समर्थन को लेकर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ;एसडीपीआईद्ध की ओर से की गई घोषणा को सिरे से खारिज कर दिया हैण् विपक्ष के नेताए वीडी सतीसन और कार्यवाहक केपीसीसी अध्यक्ष एमएम हसन ने जोर देकर कहा है कि पार्टी एसडीपीआई से समर्थन नहीं मांगती है और न ही इसकी इच्छा रखती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्ति बिना किसी प्रभाव या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं।

उन्होंने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ;पीएफआईद्ध से समर्थन मांगने के लिए कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि राहुल गांधी ष्सनातन धर्म के खिलाफ दुश्मनी पैदा करते हैंष्।

गृह मंत्री इस मामले पर थोड़ा ध्यान दें, सावरकर के पोते ने राहुल गांधी को लेकर की अपील

नयी दिल्ली ०५/०४ (संवाददाता):कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के मामले पर स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर ने कहा कि 2023 के मार्च महीने में राहुल गांधी ने इंग्लैंड में एक बयान दिया था कि सावरकर जी ने अपनी किताब में लिखा है कि वो और उनके मित्र मिलकर एक मुस्लिम युवक की पिटाई कर रहे थे। ये बयान झूठ है और हमने न्यायालय में उनके खिलाफ केस दायर किया था। केस को 1 साल होने वाले हैं और माननीय न्यायालय ने पुलिस को ये आदेश दिए थे कि जो भी सबूत हमने दिए हैं उसकी जांच की जाए लेकिन जनवरी से लेकर अब तक वो सबूत नहीं आए हैं। मेरा सवाल ये है कि हमने जो सबूत जमा किए हैं उसकी छानबीन क्यों नहीं हो रही हैघ् यदि गृह मंत्री इस मामले पर थोड़ा ध्यान दे पाएं तो शायद पुलिस इस पर कार्रवाई कर पाएगी। अगस्त 2023 में विनायक दामोदर सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर ने पुणे की एक सत्र अदालत में एक आवेदन दायर कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफमानहानि के मामले को सक्षम अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की थी। पिछले साल अप्रैल में सात्यकी ने लंदन में एक कार्यक्रम में सावरकर के खिलाफ कथित दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी को लेकर पुणे की एक मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया था। सात्यकी ने सत्र अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर कर दावा किया कि मामले की सुनवाई कर रही न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ;जेएमएफसीद्ध की अदालत इस मामले पर बोझ महसूस कर रही हैए और उन्होंने आशंका व्यक्त की कि श्निष्पक्ष और तर्कसंगत न्याय नहीं होगा।सात्यकी के मुताबिकए मार्च 2023 में लंदन में एक कार्यक्रम में बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि ;विनायक दामोदरद्ध सावरकर ने एक किताब लिखी है जिसमें लिखा है कि वह ;सावरकरद्ध और उनके पांच.छह दोस्त मारपीट कर रहे थे।

लालू यादव के दांव से बिहार में धड़ाम हुई कांग्रेस की सियासत, पप्पू यादव और कन्हैया हुए किनारे

पटना ०५/०४ (संवाददाता): बिहार के सियासी समर में मुकाबला दिलचस्प होता दिखाई दे रहा है। एक ओर जहां बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन है तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन है जिसमें राजद और कांग्रेस मु य रूप से शामिल है। एनडीए ने जहां बिहार में चुनाव का पूरी तरीके से फार्मूला निकाल लिया है तो वहीं इंडिया गठबंधन में टेंशन अभी भी बरकरार है। एनडीए के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां चुनावी अभियान की शुरुआत भी कर दी है जिसमें नीतीश कुमार भी शामिल रहे तो वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव एक ऐसी सीट पर राजद उ मीदवार के नामांकन पर पहुंचे थे जहां इंडिया गठबंधन के भीतर आपस में ही टकराव है। एनडीए गठबंधन जहां मजबूती से चुनाव लड़ता दिखाई दे रहा है तो वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और राजद आपस में ही लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। एनडीए में जहां सभी दलों ने मिल बैठकर सीटों और उ मीदवारों पर फैसला किया तो वहीं इंडिया गठबंधन में लालू यादव का ही दबदबा दिखाई दे रहा है।

काफी उठा पटक और माथापच्ची के बाद इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर फैसला हो सका। सीट बंटवारे में लालू का ही दबदबा दिखाई दिया। 40 सीटों में से राजत 26 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। जबकि कांग्रेस 9 सीट और वाम दलों के खाते में 5 सीटें गई हैं। राजद जिन सीटों पर चुनाव लड़ रहा है उनमें औरंगाबादए गयाए जमुईए नवादाए सारणए पाटलिपुत्रए बक्सरए उजियारपुरए जहानाबादए दरभंगाए बांकाए अररियाए मुंगेरए सीतामढ़ीए झंझारपुरए मधुबनीए सिवानए शिवहरए वैशालीए हाजीपुरए सुपौलए वाल्मीकि नगरए पूर्वी चंपारणए पूर्णियाए मधेपुरा और गोपालगंज शामिल है। जबकि दूसरी ओर किशनगंजए कटिहारए समस्तीपुरए पटना साहिबए सासारामए पश्चिमी चंपारणए मुज फ्फरपुरए भागलपुर और महाराजगंज में कांग्रेस अपने उ मीदवार उतार रही है। भाकपा माले को आराए काराकट और नालंदा का सीट दिया गया है जबकि सीपीआई के खाते में बेगूसराय और सीपीएम के खाते में खगड़िया सीट आई है। लालू यादव के दबाव में कांग्रेस को पूर्णिया जैसी सीट छोड़नी पड़ी जहां से उसने मजबूत उ मीदवार पप्पू यादव को अपनी पार्टी में शामिल कराया था।

पप्पू यादव हाल में ही अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर लिया था। वह कांग्रेस के सिंबल से पूर्णिया से चुनाव भी लड़ने वाले थे। लेकिन यह सीट लालू यादव ने अपने पास रख ली। इतना ही नहींए पूर्णिया के आसपास वाले मधेपुरा और सुपौल सीट भी लालू की पार्टी के पास है।

बीजेपी में शामिल हुए गौरव वल्लभ, कांग्रेस से दिया था इस्तीफा, कभी संबित पात्रा के उड़ाए थे होश

नयी दिल्ली ०५/०४ (संवाददाता): पूर्व कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस पार्टी से अपने इस्तीफे पर गौरव वल्लभ ने कहा कि मैंने मल्लिकार्जुन खड़गे को एक विस्तृत पत्र लिखा है और अपनी सारी भावनाएं व्यक्त की हैं। मुझे कांग्रेस पार्टी की चुप्पी से दुख हुआ जब गठबंधन के कुछ बड़े नेताओं ने सनातन और राम मंदिर पर पार्टी के रुख का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश मेंए कांग्रेस पार्टी दिन.रात देश के धन सृजनकर्ताओं को गाली देती हैण्ण्ण् मैं स्पष्ट था इन बातों को लेकर पार्टी मंच पर भी कई जगह इस मामले को उठाया।

पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता ने आगे कहा कि जमीनी स्तर पर जुड़ाव खत्म होने के कारण कांग्रेस न तो विपक्ष के कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से निभा पा रही है और न ही सत्ता में आ पा रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी सकारात्मक बदलाव तब तक संभव नहीं है जब तक पार्टी कार्यकर्ता अपने मुद्दों को अपने नेताओं के साथ सीधे संवाद करने में सक्षम नहीं होंगे। गौरव वल्लभ ने आगे कहा कि 1991 की उदारीकरणए निजीकरण और वैश्वीकरण नीतियों के वास्तुकार होने के बावजूद भारत के धन सृजनकर्ताओं के संबंध में पार्टी का रुख हमेशा उन्हें गाली देना और अपमानित करना रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफपार्टी जाति जनगणना की बात करती है और दूसरी तरफ हिंदू विरोधी राजनीतिक दल नजर आ रही है। पूर्व प्रवक्ता ने कहाए ष्यह कार्यशैली जनता को गलत संदेश दे रही है कि कांग्रेस एक विशेष धर्म की शुभचिंतक है।

यह कांग्रेस के मूल सिद्धांतों के खिलाफहै।ष् गौरव वल्लभ ने मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष अभियान की कमान संभाली थीण् उन्होंने 2019 में झारखंड के जमशेदपुर पूर्व से चुनावी शुरुआत कीए जहां वह तत्कालीन सीएम रघुबर दास और सरयू रॉय से हार गए।

2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में उन्होंने उदयपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा। वह 32ए000 से अधिक वोटों के अंतर से सीट हार गए।

गौरव वल्लभ का संबित पात्रा के साथ एक वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक डिबेट शो के दौरान गौरव वल्लभ ने संबित पात्रा से एक सवाल पूछ कर उनके होश उड़ा दिए थे। दरअसलए इस शो में भारत की अर्थव्यवस्था पर बात हो रही थी जिसमें संबित पात्रा ने मोदी सरकार के पांच ट्रिलियन इकोनामिक के लक्ष्य के बारे में बात की थी।

इसी दौरान कांग्रेस की ओर से गौरव वल्लभ ने पत्र से पूछा था कि क्या उन्हें पता है कि 5 ट्रिलियन में कितने जीरो होते हैं। पात्रा इस सवाल को बार.बार डालने की कोशिश करते रहें तो गौरव वल्लभ ने खुद बताया था कि 5 ट्रिलियन में 12 जीरो होते हैं।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND &CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-2 for 6 APR.pmd 4/6/2024, 10:40 AM

विविध समाचार

यदि चली गई है आपकी नौकरी...

अपने करियर में एक प्रोफेशनल के लिए सबसे कठिन समय रहता है जब उसकी नौकरी चली जाए, विशेष रूप से तब जब उसे इस बात की आशा नहीं थी। लेकिन किसी भी कारणवश अगर ऐसा होता है तो आपको कुछ चीजें आवश्यक रूप से करना चाहिए

- आपको सबसे पहले अपने इमोशंस पर ध्यान देना होगा। पहले इस बात को समझें कि किस तरह की भावनाएं आपके जेहन में आ रही हैं। इसके बाद आप यह तय करें कि इन भावनाओं के साथ क्या किया जाना चाहिए और इसे पॉजिटिव तरीके से रिस्पॉन्ड करें। अगर आपने अपनी भावनाओं को समझते हुए इसे नियंत्रित नहीं किया तो यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।
- आठ घंटे की नींद लें, जल्दी उठें, एक्सरसाइज करें, शॉवर लें, अच्छे से तैयार हो जाएं, घर से बाहर निकलें। आपको ऐसे कठिन समय में भी चीजों को सामान्य रखना जरूरी है। खुद को व्यस्त और सक्रिय रखें। आप घर में बैठकर केवल सोते नहीं रह सकते।
- अपने गुस्से को शांत करें। हो सकता है आपको अपनी पुरानी नौकरी में साथ काम करने वालों को लेकर आक्रोश हो। उन्होंने आपके साथ गलत किया हो। लेकिन याद रखें कि वे भी केवल सरवाइव करने की कोशिश कर रहे हैं। अपने पुराने बॉस और सहकर्मियों की अच्छी क्वॉलिटीज की सूची बनाइए। इससे आपको पुरानी बातों से निकलने में आसानी होगी।
- जिन लोगों से आप सालों से नहीं मिले हों, उनसे मिलने की योजना बनाइए। इससे आपका नेटवर्क भी बनेगा और उन्हें पता चलेगा कि आप नए जॉब की तलाश कर रहे हैं।
- जब भी नौकरी हाथ से जाती है तो कहीं न कहीं आपके आत्मविश्वास का डगमगाना नेचुरल है। लेकिन यह बात कभी न भूलें कि जब आप काम कर रहे थे तो आपने अच्छा काम किया और कंपनी की ग्रोथ में योगदान दिया। अपनी मुख्य उपलब्धियों की सूची बनाइए जो कि आगे आपको मार्केट कर सके।
- आप निकाले गए हैं या आपने एकदम नौकरी छोड़ने का फैसला किया है तो आपके लिए यह आर्थिक रूप से भी बड़ी परेशानी खड़ी करता है। एक दिन निकालें और अपना नया बजट तैयार करें। आपको अभी नहीं पता होगा कि कब आपकी दूसरी नौकरी लगेगी और कब सैलरी आना शुरू होगी। आपको अपने खर्चे को लेकर सजग रहना होगा।

साइंस की एक बड़ी शाखा है जल विज्ञान

वॉटर साइंस यानी जल विज्ञान अपने आपमें साइंस की एक बड़ी शाखा है। इसमें न सिर्फ वॉटर साइकिल को स्टडी किया जाता है, बल्कि रिसर्च करके अलग-अलग जगहों पर पानी से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करने के विकल्प तलाशे जाते हैं।

आज दुनिया का शायद ही ऐसा कोई देश हो, जो पानी से जुड़ी किसी समस्या से ग्रस्त न हो। ऐसे में एक वॉटर साइंटिस्ट के लिए हर जगह संभावना है। यह एक ऐसी फील्ड है, जो आपके करियर में चार चांद लगा सकती है।

क्या है वॉटर साइंस

वॉटर साइंस पानी की जमीन और भूमिगत प्रॉसेस से रिलेटेड साइंस है। इसमें धरती पर मौजूद पहाड़ और मिनरल्स के साथ पानी की फिजिकल, केमिकल और बायोलॉजिकल प्रॉसेस और लिविंग ऑर्गेनिज्म्स के साथ इसकी एक्टिविटी शामिल है। वॉटर साइंस की स्टडी करने वाले एक्सपर्ट्स ही वॉटर साइंटिस्ट कहलाते हैं। वॉटर साइंस की फील्ड में हाइड्रोमीटरोलॉजी, भूतल, वॉटर साइंस, हाइड्रोजियोलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट और जल गुणवत्ता से जुड़े सब्जेक्ट्स आते हैं। इसकी कई ब्रांचेज हैं, जैसे- केमिकल वॉटर साइंस, इकोलॉजिकल वॉटर साइंस, हाइड्रोइनफॉर्मेटिक्स वॉटर साइंस।

क्या हैं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स?

वॉटर साइंटिस्ट बनकर आप विभिन्न प्रकार के ऑर्गेनाइजेशन्स के लिए काम करके अच्छी सैलेरी पा सकते हैं। सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं में वॉटर साइंटिस्ट को अच्छे पैकेज पर सलेक्ट किया जाता है। इसके अलावा आप काउंसलर के रूप में भी काम कर सकते हैं। जैसे- सिविल इंजीनियरिंग, एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट और इवैल्युएशन में सेवाएं उपलब्ध कराना। इसके अलावा आप नई एनालिटिकल टेक्नीक्स के जरिए टीचिंग और रिसर्च भी कर सकते हैं। यूटिलिटी कंपनियों और सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ जुड़कर जलापूर्ति और सीवरेज सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

वॉटर रिसोर्सेज डेवलपमेंट और मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आपमें प्रॉब्लम, डिटरमिनेशन, रिसर्च और अच्छी एनालिसिस करने की एबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टीम वर्क की भावना और इफेक्टिव कम्युनिकेशन इस फील्ड में बने रहने के लिए जरूरी है।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

देशभर की कई यूनिवर्सिटीज वॉटर साइंस और वॉटर रिसोर्सेज जैसे सब्जेक्ट्स में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स कराती हैं। वॉटर साइंस में करियर बनाने के लिए आप इस सब्जेक्ट से बीएससी करने के बाद एमएससी और फिर पीएचडी या एमफिल कर सकते हैं।

कैसा है रेम्युनेरेशन?

अपने करियर की शुरुआत में आप 18-20 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। इस फील्ड में एक्सपीरियंस काफी मायने रखता है।

खुद के लिए समय निकालें

क्या आप उन लोगों में से हैं जिनके पास घर, काम, अपने समुदाय की तरह-तरह की जिम्मेदारियों की अपनी लंबी सूची है और आप इसे संतुलित करने की कोशिश में लगे रहते हैं। आपका यह इरादा प्रशंसनीय है कि आप एक साथ कई जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं लेकिन आपको एक अलग अप्रोच के लिए काम करने का तरीका अपनाना चाहिए। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं जो कि आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं

- आपको उन चीजों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए जो आपके लिए ज्यादा मायने रखते हों। अगर आप चीजों को आसान बनाना चाहते हैं तो आपके पास एक सिंगल टास्क लिस्ट होनी चाहिए। आपको अपने कैलेंडर में सारी चीजें फीड करना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के हिसाब से पूरा करते रहना चाहिए। इस तरह आपका ध्यान केंद्रित रहेगा और आप काम में भटकेंगे नहीं। इसका एक कारण यह भी है कि प्राथमिकता तय करने से आप महत्वपूर्ण काम को पहले कर पाएंगे जिससे आप रिलेक्स भी रहेंगे।
- अगर आप सामान्य से कुछ घंटे पहले नींद से उठने की आदत डालेंगे तो आपको पूरे दिन रिलेक्स महसूस होगा। आप एक्सरसाइज कर सकते हैं, पढ़ सकते हैं और शांति से दो पल बैठ सकते हैं। साथ ही जल्दी उठने के हेल्थ बेनिफिट्स भी आपको मिलेंगे। जल्दी उठने वाले पोजिटिव, खुशमिजाज और डिप्रेशन से कोसों दूर रहते हैं।
- आपने अपना सौ प्रतिशत दिया लेकिन आप जिस तरह का रिजल्ट चाहते थे, नहीं आ पाया। ऐसे में निराश होना स्वाभाविक है। कई लोग इसे लेकर ही चिंता-मनन में लगे रहते हैं और अपनी प्रोडक्टिविटी प्रभावित करते हैं। आप अपने साथ ईमानदार रहें और काम में सौ प्रतिशत देने के बाद उसके परिणाम को लेकर आशंकित न रहें।
- आपके पास पहले से ही खूब काम है और ऊपर से आप ने दूसरों की जिम्मेदारी और लेकर अपना बर्डन बढ़ा लिया। अगर आप किसी भी काम को ना करने से हिचकिचाते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको अपने रूटीन में थोड़ा पर्सनल टाइम चाहिए होता है और उसमें भी आपने कुछ ऐसे टास्क ले लिए तो आपके हाथ निराशा ही हाथ लगेगी। थोड़ा टाइम लेकर आत्मावलोकन कर लीजिए। यह आपके लिए बहुत जरूरी है।

इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट्स हों या हाई प्रोफाइल विदेशी हस्तियों की यात्रा, ऐसे इवेंट्स को सफल बनाने में एक लिंग्विस्ट की बड़ी भूमिका होती है। लिंग्विस्ट यानी वह भाषाविद प्रोफेशनल, जिसकी एक से ज्यादा भाषाओं पर मजबूत पकड़ हो। अगर आपको भी नई भाषाएं सीखने और उनमें निपुणता हासिल करने में दिलचस्पी है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन लिंग्विस्ट।

लिंग्विस्ट के फील्ड में अवसरों की कमी नहीं

भाषा के क्षेत्र में करियर जितना अच्छा है, उतना ही रोचक भी। एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी आपको न सिर्फ दूसरे देशों और संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि कई फील्ड्स में करियर के रास्ते भी खोलती है। आज भाषाओं के क्षेत्र में बेहतरीन प्रोफेशनल्स की काफी डिमांड है। डिप्लोमेसी हो या मीडिया, जॉब एजेंसियां हों या पब्लिशिंग हाउसेज, हर उद्योग में लिंग्विस्ट के लिए काफी स्कोप है। अगर आपको भी भाषाओं में दिलचस्पी है, तो आप लिंग्विस्टिक्स में बना सकते हैं शानदार करियर।

लिंग्विस्टिक्स भाषा की वैज्ञानिक स्टडी है। इसमें किसी भाषा विशेष की बनावट और उसके विकास के साथ-साथ दूसरी भाषाओं के साथ उसके संबंध के बारे में भी पढ़ाया जाता है। इसमें भाषा के हर पहलू को कवर किया जाता है। इस विषय के विद्यार्थी के पास भाषा की उत्पत्ति से लेकर उसके विकास तक की जानकारी होती है।

कौन-से कोर्स?

आप किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन करने के बाद लिंग्विस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन कर सकते हैं। हालांकि ज्यादा अच्छे पैकेज के लिए इस फील्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना ज्यादा फायदेमंद होगा। सरकारी सेवाओं में भी लिंग्विस्टिक्स में एमफिल या पीएचडी जैसी डिग्री को प्राथमिकता दी जाती है।

लिंग्विस्टिक्स में पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शन होते हैं

लिंग्विस्ट

आप भाषा की उत्पत्ति और विकास में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं और रिसर्च करके स्पेसिफिक क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

टीचर

आप किसी भी भाषा विशेष का अध्यापन कर सकते हैं। इस तरह के टीचर्स की कई विश्वविद्यालयों में काफी मांग है।

ट्रांसलेटर

इस जॉब में आपको किताबों, डिक्शनरी और लेखों का दूसरी भाषा में अनुवाद करना होता है।

इंटरप्रेटर

इंटरप्रेटर के तौर पर बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स या सरकारी अधिकारियों के साथ दूसरे देशों की यात्राओं पर जाने का मौका मिलता है। यहां आप दो लोगों को संवाद करने में मदद करते हैं। यह बहुत ही टफ जॉब है क्योंकि आपको इस बात का ध्यान रखना होता है कि मूल वाक्य का अर्थ आपके इंटरप्रिटेशन में बदल न जाए। साथ ही, वाक्य बोले जाने के बाद आपको उसका अनुवाद सोचने के लिए न के बराबर समय मिलता है।

संभावनाएं

इस फील्ड में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप लैंग्वेज में बतौर स्पीच थैरेपिस्ट, बैंक्स में बतौर फॉरेन एक्सचेंज ऑफिसर, पब्लिशिंग हाउसेज में बतौर ट्रांसलेटर और लेक्सिकोग्राफर, मीडिया इंडस्ट्री, ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री, आईटी इंडस्ट्री में सॉफ्टवेयर डेवलपर, मिलिट्री, ब्रॉडकास्ट और फॉरेन सर्विसेज में काम करके बेहतरीन करियर बना सकते हैं।

कम प्रतिस्पर्धा के साथ पा सकते हैं ये सरकारी नौकरी

हर साल कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में भर्ती के लिए एसएससी सीजीएल एग्जाम का आयोजन करता है। इस परीक्षा के जरिये जिन पदों पर नियुक्ति होती है, उनमें से एक है स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2)। एसएससी की परीक्षा के माध्यम से मिलने वाले सबसे आकर्षक जॉब्स में से यह एक है। इसके बावजूद इस जॉब प्रोफाइल के बारे में युवाओं को अधिक जानकारी नहीं है तो चलिए, जानते हैं इसी जॉब प्रोफाइल के बारे में।

एसएससी सीजीएल एग्जाम के माध्यम से स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) के लिए चयनित होने वाले उम्मीदवारों को ग्रुप बी (सेंट्रल सिविल सर्विस, नॉन-गजेटेड, नॉनमिनिस्टीरियल) में जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (जेएसओ) के पद पर नियुक्ति दी जाती है। ये सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) कैडर का हिस्सा होते हैं।

वेतन-भत्ते

जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर पे-बैंड 2 के अंतर्गत आते हैं। इनका वेतनमान 9300-34800 तथा ग्रेड पे 4200 होता है। जेएसओ का आरंभिक वेतन लगभग 30,000 रुपए प्रति माह होता है।

पोस्टिंग

स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर (ग्रेड-2) अखिल भारतीय स्तर का पद है। इस पद पर नियुक्त होने वाले अधिकारियों की पदस्थापना देश के किसी भी स्थान पर की जा सकती है। जेएसओ के रूप में चयनित होने वाले 80 प्रतिशत उम्मीदवारों की नियुक्ति नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के माध्यम से की जाती है। शेष की नियुक्ति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में की जाती है। काम की प्रकृति जेएसओ को क्या काम करना होता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उनकी नियुक्ति कहां की गई है। एनएसएसओ में नियुक्त स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर ऑफिसर को मुख्य रूप से दो तरह के काम करने होते हैं -

डाटा कलेक्शन - यह मूलतः एक फील्ड जॉब है। यह काम एनएसएसओ के फील्ड ऑपरेशंस डिवीजन (एफओडी) के तहत होता है। इसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों, सामाजिक-आर्थिक कारकों, शहरी सर्वे और मूल्य सूचकांकों के लिए सर्वे तथा डाटा संग्रहण अभियान संचालित करने होते हैं।

डाटा प्रोसेसिंग - जिन ऑफिसर्स की नियुक्ति एफओडी में नहीं होती, वे डेस्क जॉब करते हैं। वे विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संस्थानों के लिए विस्तृत डाटा रिपोर्ट तैयार करते हैं। इनके द्वारा संकलित किया गया डाटा ही भारत सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्धारण का आधार बनता है। इसके अलावा, जो ऑफिसर मंत्रालयों, विभागों या संस्थानों में नियुक्त होते हैं, उनकी जॉब प्रोफाइल अलग किस्म की होती है। वे दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग, सर्वे रिपोर्ट की रिक्वायरमेंट तैयार करने, डाटा एंट्री, टेबुलेशन, डाटा को संपादित व संकलित कर रिपोर्ट बनाने आदि का काम करते हैं।

संस्थागत ढांचा व प्रमोशन

जेएसओ सबऑर्डिनेट स्टैटिस्टिकल सर्विस (एसएसएस) में जूनियर ऑफिसर्स के लिए एंट्री-लेवल पद है। यहां की प्रमोशन संबंधी नीति परीक्षा और अनुभव पर आधारित होती है। जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर लगभग 5 से 8 साल बाद प्रमोशन पाकर सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर (ग्रुप-बी, गजेटेड) पद पर आ जाते हैं। इस लाइन में विभिन्न पद क्रमवार इस प्रकार होते हैं- जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर, असिस्टेंट डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर, जॉइंट डायरेक्टर, डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, एडिशनल डायरेक्टर जनरल, डायरेक्टर जनरल। स्टैटिस्टिकल इन्वेस्टिगेटर पद के लिए प्रतिस्पर्धा कम होती है और चयनित होने की संभावना अधिक। इसलिए आप इस पद का लक्ष्य रखकर सीजीएल एग्जाम में बैठ बेहतर करियर निर्माण के बारे में सोच सकते हैं। इसका खास आकर्षण यह है कि यह केंद्र सरकार की नौकरी है और पहले ही प्रमोशन के बाद आप गजेटेड ऑफिसर बन जाते हैं।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

कलिंग समाचार

संपादकीय

शनिवार 06 अप्रैल 2024

शीर्ष अदालत ने रामदेव को कानून के ताकत का एहसास कराया

योग गुरु के रूप में मिली लोकप्रियता के सहारे आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण एवं बिक्री का पतंजलि के नाम से बड़ा व्यवसायिक साम्राज्य खड़ा करने वाले बाबा रामदेव तथा उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट ने कानून के महत्व तथा ताकत का एहसास कराया। शीर्ष अदालत ने उनके खिलाफ दायर एक मामले की सुनवाई के दौरान उनके द्वारा कोर्ट के आदेशों की अवहेलना के लिये जमकर फटकार तो लगाई हीए उन्हें इसके परिणाम भुगतने के लिये तैयार रहने को भी कहा। सुप्रीम कोर्ट ने चेताया कि उनके खिलाफ झूठी गवाही का मामला भी बनता है। अदालत ने केन्द्र को भी नहीं ब शा जो पतंजलि के झूठे विज्ञापनों की ओर से आंखें बंद किये बैठी रही। सुप्रीम कोर्ट का लहज़ा इतना स त था कि भारतीय जनता पार्टी के संरक्षण में बढ़े रामदेव एवं बालकृष्ण दोनों ही माफी मांगते नज़र आये। मामला इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से पिछले वर्ष एक याचिका दायर की गई थी जिसमें पतंजलि के इस दावे को गलत बताया था कि योग अस्थमा व डायबिटीज़ को पूरी तरह से ठीक कर सकता है। इसके मद्देनज़र सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को निर्देश दिया था कि वह कोई भी भ्रामक विज्ञापन प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रकाशित या प्रसारित न करे। नव बरए 2023 में पतंजलि की ओर से दायर शपथ पत्र में ऐसा करने का आश्वासन दिये जाने के बावजूद कंपनी की ओर से विज्ञापन दिये जाते रहे। उस सुनवाई में कंपनी के वकील द्वारा भी निर्देशों के पालन का भरोसा जताया गया था। इतना ही नहींए रामदेव.बालकृष्ण की ओर से इस विषय पर प्रेस कांफ्रेंस भी की गई। यह बात कोर्ट के संज्ञान में आई और पतंजलि को जारी नोटिस की मंगलवार को हुई सुनवाई में दोनों को फटकार लगाई गई। कोर्ट ने नाराजगी जतलाई कि एक ओर तो पतंजलि अपने दायर हलफनामे में माफी मांग रही हैए वहीं वह भ्रामक विज्ञापन भी जारी कर रही है। इतना ही नहींए उसकी ओर से मीडिया कांफ्रेंस भी की जाती है। यह माफी मांगने का तरीका बिलकुल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई 10 अप्रैल को मुकर्रर की है जिसमें दोनों को फिर से उपस्थित रहने का आदेश दिया गया है। साथ ही केन्द्र को भी नोटिस जारी की गई है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस हिमा कोहली एवं जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने इस बात पर भी नाराज़गी व्यक्त की कि अपने हलफनामा में पतंजलि ने कुछ ऐसे दस्तावेज जोड़े हैं जो सुनवाई के बाद की तारीखों के हैं। इसलिये इसे झूठी गवाही और गलत हलफनामा दायर करने का भी मामला बतलाते हुए दोनों को आगाह किया कि वे इसके परिणाम भुगतने के लिये तैयार रहें। देखना यह है कि आगामी सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला लेता है। अपने हलफनामे में पतंजलि के इस कथन से भी कोर्ट नाराज़ था जिसमें कहा गया था कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स ;मैजिक रेमेडीज़द्ध एक्ट काफी पुराना हो गया है। इसे लेकर भी कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की कि हर विद्यमान कानून का स मान होना चाहियेए चाहे वह किसी भी अदालत का हो। न्यायालय ने कहा कि दोनों ने ;रामदेव.बालकृष्णद्ध हर सीमा लांघ दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफकिया कि दोनों को अदालत में दिये गये आश्वासनों का पालन करना ही होगा। सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी की गाज केन्द्र पर भी गिरी। अदालत ने आश्चर्य जताया कि जब पतंजलि कोविड के दौरान बाजार में यह कह रही थी कि उसका ;कोरोनाद्ध एलोपैथी में कोई इलाज नहीं है तब केन्द्र क्यों आंखें बंद रखे हुई थी। उल्लेखनीय है कि 2011 के अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुए लोकायुक्त आंदोलन में और भी ज्यादा लोकप्रियता बटोरकर तथा भाजपा सरकार की शह पाकर एक बड़ा कारोबारी साम्राज्य खड़ा करने वाले रामदेव अपने विवादास्पद बयानों एवं गतिविधियों के लिये जाने जाते हैं। कांग्रेस के डॉण् मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले कार्यकाल में रामदेव भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़े झंडाबरदार बन गये थे। उन्होंने ही दावा किया था कि विदेश में रखा काला धन आने पर लोगों से टैक्स लेने की ज़रूरत नहीं होगी और पेट्रोल 35 रुपये प्रति लीटर मिलने लगेगा। यह अलग बात है कि पिछले दस वर्षों से योगाचार्य इस मामले में मौन धारण किये हुए हैं।

भाजपा की राजनीतिक चाल और अरविंद केजरीवाल का कानूनी संघर्ष

सुशील कुट्टी

आम चुनाव नजदीक होने के कारणए केजरीवाल के लिए इस गिर तारी से अधिक बुरा समय और क्या हो सकता है। केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के साथ जो समन का खेल खेल रहे थेए उसका परिणाम सामने आया। नरेंद्र मोदी का भूत अब आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहा हैए जबकि भाजपा दिल्ली के राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन की बात कर रही हैए और उसका कहना है कि अरविंद केजरीवाल की गिर तारी से इसमें मदद मिलेगी। दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अपनी गिर तारी के खिलाफ अपनी अपील शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय से वापस ले ली। शीर्ष अदालत याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार थी जब केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अपील वापस लेने की बाद कीए जिसे सॉलिसिटर.जनरल तुषार मेहता ने कहा किरू केजरीवाल के वकील ने इसका इस्तेमाल श्अदालत को गुमराह करनेष् के लिए किया था। मेहता ने कहाए श्मैंने ईडी से कहा था कि जब तक इस अदालत द्वारा मामले का निपटारा नहीं हो जाताए तब तक उसे रिमांड के लिए पेश न करें।ष् इससे पहलेए सिंघवी ने कहा था कि याचिका वापस ली जा रही है श्क्योंकि यह रिमांड से टकरा रही है।ष् इस नाटक के अलावाए मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिर तारी आम आदमी पार्टी के लिए इससे अधिक महत्वपूर्ण मोड़ पर और क्या हो सकती थी। हालांकि यह महत्वपूर्ण बात है कि दिल्ली का मु यमंत्री कौन हैए यह केजरीवाल की चिंताओं में सबसे नीचे है। भाजपा का कहना है कि यह एक श्विशुद्ध रूप से कानूनी मामलाष् हैए जबकि आप का कहना है कि कांग्रेस के साथ आप के गठबंधन के बाद दिल्ली की संसदीय सीटों पर भाजपा के सामने आप की चुनौती को रोकने के लिए यह उसकी एक श्विशुद्ध राजनीतिक चालष् है। बता दें कि भाजपा को यकीन नहीं है कि वह दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों को बरकरार रख पायेगी जो उसने 2014 और 2019 में जीती थीं।

क्या होगा अगर अरविंद केजरीवाल की गिर तारी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए दिल्ली में बढ़त की संभावना के विपरीत स्थिति हो जायेघ् दिल्ली के मतदाता केजरीवाल को सहानुभूति के साथ.साथ वोट भी दे सकते हैं। संकट के इस समय में आम आदमी पार्टी काले बादलों की उ मीद की किरण पर भरोसा कर रही है। कागज परए यह संभव है कि दिल्ली के मतदाता प्रतिशोधात्मक ताकत के साथ भाजपा पर पलटवार करेंगे। बेशकए चिंता है कि आप दबाव में बिखर सकती है। वहां नेतृत्व शून्यता है। कई अन्य लोगों की तरहए केजरीवाल ने भी पार्टी प्रमुख के रूप में उनकी जगह लेने के लिए किसी को नहीं छोड़ा। योगेन्द्र यादवए किरण बेदीए प्रशांत भूषण और कुमार विश्वास आदिए सूची बहुत लंबी है। जब तक केजरीवाल अपना विकल्प नहीं खोज लेते .एक वफादार मंडली नहीं ढूंढ लेते या अपनी पत्नी को दिल्ली पर थोप नहीं देतेए तब तक आप को नुकसान होगा। आप मंत्री आतिशी मार्लेना और पंजाब के मु यमंत्री भगवंत मान को समुचित फैसला लेना होगा। आम चुनाव नजदीक होने के कारणए केजरीवाल के लिए इस गिर तारी से अधिक बुरा समय और क्या हो सकता है। केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के साथ जो समन का खेल खेल रहे थेए उसका परिणाम सामने आया। नरेंद्र मोदी का भूत अब आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहा हैए जबकि भाजपा दिल्ली के राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन की बात कर रही हैए और उसका कहना है कि अरविंद केजरीवाल की गिर तारी से इसमें मदद मिलेगी। जैसे कि किसी ने लिखाए श्राज्य के मतदाता मूल रूप से इस समय एक ज प बॉल हैंष्ए जिसका अर्थ है कि केजरीवाल की गिर तारी के बाद एक बड़ा हिस्सा श्अनिर्णयित मतदाताओंष् का हो गया है। स्थिति से परिचित एक व्यक्ति ने कहाए नवीनीकृत दिल्ली शराब नीति सभी परेशानियों का कारण है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस समय यह कल्पना करना कठिन है कि कौन किसे बाहर कर रहा है? कागज़ परए मोदी का पलड़ा भारी है। लेकिन 4 जून को भाजपा के लिए दिल्ली में 7ध्7 होने की संभावना नहीं है। विशेषकर तब नहीं जब कांग्रेस मुश्किल में फंसी आम आदमी पार्टी के साथ मजबूती से खड़ी है और आप के साथ.साथ भाजपा भी बहुत प्रतिस्पर्धी है। इस बार नतीजे भाजपा के लिए उतने अच्छे नहीं होंगे जितने पहले हुआ करते थे। कांग्रेस.आप गठबंधन गेम.चेंजर साबित होगाए भले ही हालिया इतिहास भाजपा के पक्ष में रहा हो। कांग्रेस के साथए एक बड़ा मुस्लिम वोट होगाए जिसके आप को भी वोट देने की संभावना है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद सेए मुस्लिम मतदाता चाहे बारिश हो या धूपए कांग्रेस को वोट देने के लिए उत्सुक हैं। स्कूलों और स्वास्थ्य क्लीनिकों पर आप के संदेश उसके वोट.बैंक के साथ गूंजेंगे और भाजपा कथित तौर पर विपक्ष को समान अवसर से वंचित करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है।केजरीवाल की गिर तारी के बाद संभावना है कि दौड़ की गतिशीलता केजरीवाल की पार्टी के अनुकूल होगीए हालांकि केजरीवाल की अनुपस्थिति महसूस की जायेगी क्योंकि कोई भी पार्टी अकेले अपनी उपलब्धियों के भरोसे नहीं रह सकती। साथ हीए मोदी की भाजपा बदली हुई स्थिति का लाभ उठाने के लिए खुद को तेजी से आगे लायेगी। जब तक आम आदमी पार्टी यह तय नहीं कर लेती कि क्या करना है और कैसे मुकाबला करना है और सफल होना हैए तब तक भाजपा निश्चिंत रहेगी।कुछ बिंदु परए केजरीवाल ने गलत अनुमान लगाया। अबए आप को भ्रष्टाचार के रंग में रंग दिया गया हैए जो कि अनुचितता की एक सामान्य बीमारी का लक्षण है जो राजनीति को परेशान कर रही है। अरविंद केजरीवाल का मु यमंत्री बने रहना और तिहाड़ से दिल्ली पर शासन करना एक मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव है। मोदी सरकार दिल्ली को आप सरकार से मुक्त कराने के लिए मौके का फायदा उठायेगी। आप को एक नये मु यमंत्री की पहचान करनी चाहिए और दिल्ली पर शासन जारी रखना चाहिए। केजरीवाल का तिहाड़ से दिल्ली का शासन चलाना केंद्रीय हस्तक्षेप के जोखिम से भरा है। यह आप के लिए व्यापक नेतृत्व आधार बनाने का भी एक अवसर है। भारतीय जनता पार्टी आरामदायक स्थिति में है क्योंकि उसका दिल्ली का सपना सच हो गया है। दिल्ली सरकार को घोटालों में दोषी ठहराने की पार्टी की रणनीति काम कर गई है। आबकारी नीति और श्दिल्ली जल बोर्डष् घोटाले पर की गई कार्रवाई भाजपा की योजना के अनुसार चली। बहुत ही राजनीतिक कारणों सेए केजरीवाल हमेशा श्डीजेबी घोटालेष् और श्आबकारी नीतिष् घोटाले दोनों मेंए मोदी सरकार के निशाने पर थे। दिल्ली के मु यमंत्री को श्डीजेबी घोटालेष् में भी समन जारी किया गया है। भारतीय जनता पार्टी की योजना केजरीवाल को श्भ्रष्टाचार के चेहरेष् के रूप में चित्रित करने की है और केजरीवाल की गिर तारी के साथ भाजपा का आधा काम हो गया है। इसके साथ हीए भाजपा ने केजरीवाल की गिर तारी को श्पूरी तरह से कानूनी मामलाष् करार दिया है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी इसे पूरी तरह से राजनीतिक करार दे रही है। दिल्ली का नियंत्रण और शासन दांव पर होने के कारणए आप और गठबंधन सहयोगी कांग्रेस दोनों आशावादी हैं कि इंडिया गठबंधन दिल्ली लोकसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करेगा। आप मंत्री आतिशी मार्लेना ने कहाए श्आप संविधान की रक्षा के लिए भाजपा से लड़ रही हैण्ण्ण् हमें उ मीद है कि सर्वोच्च न्यायालय भारत के लोकतंत्र की रक्षा करेगा।ष् मार्लेना की थाली में बहुत कुछ है। यह उनके लिए आगे बढ़कर नेतृत्व करने का समय है।

अपने कामों पर वोट क्यों नहीं मांगती भाजपा

सर्वमित्रा सुरजन

महिलाओं को निशाने पर लेने का सिलसिला आज का नहीं बरसों पुराना है। और यह किसी एक पार्टी की महिलाओं के साथ नहीं होताए सभी के साथ होता है। क्योंकि यहां समस्या समाज की मानसिकता में हैए जिसमें यह बात गहरे तक धंसी हुई है कि महिलाओं को पुरुषों के बराबर नहीं रखा जा सकता। इस मानसिकता से बहुसं यक लोग ग्रसित हैं। केवल राहुल गांधी जैसे कुछेक अपवाद हैंए जो महिलाओं के साथ इतने स मान से पेश आते हैं । आगामी आम चुनावों में भाजपा ने अपने लिए 370 से अधिक सीटें और एनडीए के लिए 4 सौ से अधिक सीटें लाने का लक्ष्य रखा है। 10 साल सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ रहने वाली पार्टी के लिए यह कोई असंभाव्य लक्ष्य नहीं हैए क्योंकि अपने दो.दो कार्यकाल में किए गए कार्यों के आधार पर ही भाजपा जनता से अपने लिए पहले से अधिक सीटें और बड़ी जीत मांग सकती है। लेकिन भाजपा अपने कार्यों को गिनाने से अधिक विपक्ष पर प्रहार करके जीत हासिल करने की जुगत में है। शायद उसे अपनी उपलब्धियों के दम पर जीत हासिल करने का विश्वास नहीं है। झूठे विज्ञापनए विपक्ष की एकता का मखौल उड़ाने वाले प्रचार और भावनात्मक मुद्दों के इर्द.गिर्द भाजपा रणनीति बना रही है। कंगना रनौत प्रकरण से लेकर दूल्हा कौन होगा जैसे विज्ञापन इसकी मिसाल हैं।

2004 से 2014 तक यूपीए ने दस साल देश पर शासन किया था। लेकिन 2014 के चुनावों के वक्त यूपीए के लिए लोकविरोधी लहर चली थी। इसकी तैयारी 2011 के अन्ना आंदोलन से ही शुरु हो गई थी। जिसका नतीजा यह हुआ कि मनरेगाए सूचना का अधिकारए भोजन का अधिकारए शिक्षा का अधिकार ऐसे कई क्रांतिकारी फैसलों के बावजूद कांग्रेस के विरोध में माहौल बना दिया गया और इससे पहले कि कांग्रेस अपने कार्यों के आधार पर वोट मांगतीए भाजपा ने नरेन्द्र मोदी को आगे करके अच्छे दिनों का नारा बुलंद किया। महंगाई डायन भागेगीए हर खाते में 15 लाख रूपए आएंगेए क्योंकि काला धन वापस आएगाए युवाओं को 2 करोड़ रोजगार हर साल मिलेंगेए बुलेट ट्रेन चलेगीए ऐसे कई आकाशकुसुम भाजपा ने देश के सियासी पर्दे पर बिखरा दिएए जिन्हें देखने में मगन जनता ने भाजपा को भर.भर के वोट दिए। 2014 के पहले केवल अन्ना हजारे ही नहींए योग गुरु रामदेवए आर्ट ऑफ लिविंग सिखाने वाले रविशंकर जैसे लोगों ने भी कांग्रेस के खिलाफ खूब माहौल बनाया। कई प्रेस वार्ताएं करके बताया कि भ्रष्टाचार से लेकर पेट्रोल.डीजल के दाम और रूपए की कीमत तक सबमें भाजपा की सत्ता आने से कैसे सुधार हो सकता है। इससे पहले कि कांग्रेस अपने कामों के आधार पर वोट मांगतीए भाजपा और संघ के सहयोगियों ने कांग्रेस को आभासी मुद्दों में घेर कर सत्ता से बाहर करवा दिया। 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने फिर सत्ता में लौटने की तैयारी की। राफेल लड़ाकू विमानों के सौदों में हुई बड़ी गड़बड़ी की ओर कांग्रेस ने देश का ध्यान दिलाया। इसके साथ ही यह भी बताया कि मोदी सरकार ने 5 सालों में एक भी वादा पूरा नहीं किया है। न युवाओं को रोजगार मिलाए न किसी के खाते में 15 लाख आएए लेकिन जनता तक कांग्रेस का संदेश न पहुंचेए इसकी तैयारी भी भाजपा ने कर ली थी। भाजपा ने मीडिया को अपने नियंत्रण में कर ही लिया थाए इसके अलावा पुलवामा हमले के बाद राष्ट्रवाद की नयी लहर उठा दी गईए जिसमें रोजगारए महंगाई और भ्रष्टाचार के सारे मुद्दे उड़ गए और भाजपा को फिर सत्ता में आने का मौका मिला।

अब 2024 में फिर जनता के बीच भाजपा को वोट मांगने पहुंचना है। इस बार राम मंदिर के उद्घाटन पर भाजपा वोट मांग सकती थीए लेकिन यह मुद्दा महीना भर भी असर नहीं दिखा सका। फरवरी में चुनावी बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और धार्मिक भावनाओं पर भ्रष्टाचार का मुद्दा हावी हो गया। ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों को किस तरह कारोबारियों पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल में लिया गया और कैसे बड़ी कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड के जरिए हजारों करोड़ रूपए भाजपा को चंदे के तौर पर दिए हैंए इसके प्रमाण अब सामने हैं। अर्थशास्त्री इसे देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला बता रहे हैं। जाहिर है भाजपा के लिए चुनावी बॉन्ड एक बड़ी उलझन बन चुका है और इस बार कोई धार्मिक या राष्ट्रवादी लहर इस उलझन से उसे निकाल नहीं सकती। अपने बचाव के लिए अब भाजपा दर्शकों को गुमराह करने वाले विज्ञापनों को प्रसारित कर रही है। भाजपा ने पहले यूपीए सरकार के वक्त हुए 2जी घोटाले पर विज्ञापन बनायाए जबकि अदालत में 2जी घोटाले पर कांग्रेस को क्लीन चिट मिल चुकी है। इसके बाद यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध रुकवाकर भारतीय छात्रों को लाने वाला विज्ञापन जारी किया गया। इसमें भी भाजपा का झूठ सामने आ गया।

क्योंकि खुद विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है कि श्री मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध नहीं रुकवाया है और ये भ्रामक दावा है। अब भाजपा का एक और विज्ञापन सामने आया हैए जो विवाह जैसी पवित्र संस्था पर आघात के समान है। इस विज्ञापन में भाजपा ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर प्रहार किया है। विज्ञापन में दिखाया गया है कि दुल्हन बनी एक युवती वर पक्ष से पूछ रही है कि दूल्हा कौन है। जिन किरदारों को विज्ञापन में दिखाया गया हैए वे राहुल गांधीए सोनिया गांधीए लालू प्रसादए तेजस्वी यादवए अखिलेश यादवए मल्लिकार्जुन खड़गेए उद्धव ठाकरेए एम के स्टालिन और ममता बनर्जी की तरह दिख रहे हैं। इसमें राहुल गांधी जैसे लगने वाले किरदार को केंद्र में दिखाया गया हैए जो खुद के दूल्हा होने की बात कह रहा हैए लेकिन इस बीच बाकी किरदार भी आपस में झगड़ रहे हैं और दुल्हन बनी युवती उन सबको हैरान.परेशान सी देख रही है कि ऐसे में किस तरह वो विवाह करे और किससे करे। इस विज्ञापन के आखिर में भाजपा ने सवाल उठाया है कि दूल्हा नहीं चुन सकते तो प्रधानमंत्री कैसे चुनेंगे।

भाजपा ने इस विज्ञापन के जरिए लोकतंत्र में चालाकी से कथानक बदलने की कोशिश की है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता अपने.अपने संसदीय क्षेत्र के प्रतिनिधियों को चुनती हैए फिर बहुमत हासिल करने वाली पार्टी या गठबंधन तय करता है कि उनका नेता कौन होगा। जनता को सीधे प्रधानमंत्री चुनने की जरूरत नहीं है। लेकिन भाजपा यही बताने की कोशिश कर रही है कि हमारी पार्टी को बहुमत मिलेगा तो नरेन्द्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगेए लेकिन इंडिया गठबंधन को बहुमत मिलेगा तो उनके पास कोई प्रधानमंत्री का चेहरा ही नहीं है। यह कमोबेश वही रणनीति हैए जिसके तहत भाजपा ने पिछले कुछ बरसों में एक सवाल खड़ा किया है कि मोदी नहीं तो कौन। जबकि भारतीय लोकतंत्र व्यक्ति केन्द्रित न होकर पार्टी आधारित व्यवस्था पर चलता है। मोदी नहीं तो कौन जैसे सवाल लोकतंत्र के पाठ्यक्रम में हैं ही नहींए लेकिन भाजपा ने इसे ही सबसे अहम सवाल बना दिया है और अब दूल्हा वाला विज्ञापन उसी का विस्तार है। जब इंडिया गठबंधन की नींव पड़ी थीए तब लालू प्रसाद यादव ने राहुल गांधी को दूल्हा बनने की सलाह दी थीए संभवतरू इसी को ध्यान में रखकर भाजपा ने यह विज्ञापन बनाया है। लेकिन ऐसा करने में उसने विवाह नामक संस्था का जिस तरह मखौल उड़ाया हैए वह न परंपरा और संस्कृति के अनुकूल हैए न लोकतंत्र के लिहाज से सही है।

विज्ञापनों के अलावा भाजपा अब उन मुद्दों को भी भुनाने में लगी हैए जिनसे उसे सहानुभूति मिल सके। फिल्म अभिनेत्री कंगना रानौत को हिमाचल प्रदेश के मंडी से उ मीदवार बनाए जाने पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया एकाउंट्स से कुछ भद्दी टिप्पणियां की गईंए जिनकी जानकारी होते ही सुप्रिया श्रीनेत ने उन्हें हटा लिया और साथ ही सफाई दे दी कि उनके एकाउंट्स को कुछ और लोग भी संभालते हैं और उन्हीं में से शायद किसी ने ऐसा किया हैए लेकिन उनके विचार ऐसे बिल्कुल नहीं हैं। लेकिन भाजपा ने इस मामले को लपक लिया और बात महिला आयोग से लेकर चुनाव आयोग तक पहुंच गई। किसी भी महिला पर बेहूदी टिप्पणी हर लिहाज से गलत है और इसका बचाव किसी तरह नहीं किया जा सकता। कंगना रानौत पर जिस तरह के आक्रमण अब किए गएए खुद उन्होंने पहले उर्मिला मातोंडकर पर ऐसी ही टिप्पणी की थी। दूसरे दलों की महिला नेताओं पर भी कई बार ऐसे ही आक्रमण किए जा चुके हैंए जिनसे उनकी गरिमा को ठेस पहुंचे। सोनिया गांधी तो सबसे बड़ा उदाहरण हमारे सामने हैंए जिन्हें अनगिनत बारए अनगिनत तरीके से अपमानित किया गया। लेकिन सोनिया गांधी ने कभी न उनका जवाब दियाए न खुद को पीड़ित बताकर सहानुभूति बटोरने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोनिया गांधी को कांग्रेस की विधवा कह चुके हैंए तब भी सोनिया गांधी अपनी गरिमा बनाए रखते हुए खामोश रहीं। महिलाओं को निशाने पर लेने का सिलसिला आज का नहीं बरसों पुराना है। और यह किसी एक पार्टी की महिलाओं के साथ नहीं होताए सभी के साथ होता है। क्योंकि यहां समस्या समाज की मानसिकता में हैए जिसमें यह बात गहरे तक धंसी हुई है कि महिलाओं को पुरुषों के बराबर नहीं रखा जा सकता। इस मानसिकता से बहुसं यक लोग ग्रसित हैं। केवल राहुल गांधी जैसे कुछेक अपवाद हैंए जो महिलाओं के साथ इतने स मान से पेश आते हैं कि हर उम्र की महिला उनके साथ अपनापन महसूस करती है और सहजता के साथ पेश आती है। जाहिर है उनके मां.बाप ने ऐसे संस्कार उन्हें दिए हैं और देश में अब ऐसे ही संस्कारों की जरूरत है। तब न महिला आरक्षण पर नाटकीयता की जरूरत पड़ेगीए न शक्ति शब्द को लेकर अनावश्यक भ्रम खड़ा करना पड़ेगा।भाजपा को अगर अपनी जीत का यकीन है तो वह झूठे विज्ञापनों को हटाए और कंगना रानौत के लिए सहानुभूति बटोरना छोड़कर राहुल गांधी की तरह महिलाओं को उनकी मर्जी से रहने के अधिकार का बयान देकर दिखाए। भाजपा की मजबूती का झूठ और सचए सब अपने आप सामने आ जाएगा।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-4 for 6 APR.pmd 4/6/2024, 11:04 AM

कलिंग समाचार राउरकेला, शनिवार 06 अप्रैल 2024 पृष्ठ -5

विविध समाचार

लातेहार में भीषण सड़क दुर्घटना तीन की मौत

लातेहार ०५/०४ (संवाददाता):लातेहार में एनएच 22 के कडरका नदी के पास भीषण सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी है। कोयला लदी हाइवा वाहन ;ऑडी 09 पी 3605द्ध और दूसरी दिशा से आ रही ट्रक ; जेएच 02 ए एक्स 2776द्ध की आमने सामने टक्कर हुई है। घटना स्थल पर ही तीन लोगों की मौत हो गयी। इस घटना में हाइव और ट्रक चालक के साथ . साथ एक सहायक चालक की भी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी है। वाहनों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गये हैं । ट्रक का चालक इस टक्कर के बाद झटके से नदी में गिर गयाए वहीं हाइवा चालक

की केबिन में ही फंसे रहने के बाद मौत हो गयी।

घटना की सूचना मिलते ही टीओपी प्रभारी कुंदन कुमार एसआई जयनारायण मेहता घटना स्थल पर पहुंचे। ट्रक चालक का शव नदी से निकाला गया हैए हाइवा चालक का शव केबिन में फंसा थाए गैस कटर से काटकर शव बाहर निकाल लिया गया है। हाइवा ललन कुमार के नाम से है जबकि ट्रक राकेश कुमार के नाम पर पंजीकृत है। दोनों चालकों की पहचान ड्राइविंग लाइसेंस से की गयी हैए ट्रक ड्राइवर की पहचान प्रेम महतो के रूप में हुई है जो सिमलिया चतरा जिले का रहने का वाला है। हाइवा चालक मोह मद शमसुद्दीन भी सिमलिया के ही रहने वाले थे वहीं ट्रक के सहचालक की पहचान दिकू महतो के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी परिजानों को दी गयी जिसके बाद घटनास्थल पर परिजन पहुंच गये हैं। तीनों के शव को पुलिस अपने संरक्षण में रखेगी और कागजी कार्रवाई के बाद इसे परिजनों को सौंप दिया जायेगा। दोनों वाहनों की टक्कर कितनी जोरदार थीए इससे अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टक्कर की आवाज पांच सौ मीटर तक सुनी गयी।

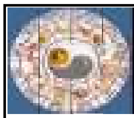

आज का राशिफल

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन–देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख– शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन–मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार– धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद– उत्साह और तन–मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

विवि में आर्थिक शोषण, पीएचडी का वाइवा लेनेवाले विशेषज्ञ गेस्ट होते हैं रांची विवि के, पर खर्च उठा रहे रिसर्च स्कॉलर्स

रांची ०५/०४ (संवाददाता): रांची विश्वविद्यालय में पीएचडी वाइवा लेने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से आनेवाले एक्सपर्ट का खर्च वर्षों से यहां के रिसर्च स्कॉलर्स उठाते आ रहे हैं। विवि के नियम.कानून के तहत वाइवा लेने के लिए आनेवाले एक्सपर्ट सह शिक्षाविद् यूनिवर्सिटी प्रशासन का अतिथि होते हैं। लेकिनए एक्सपर्ट का होटल में रहने से लेकर आने.जाने का सारा खर्च संबंधित रिसर्च स्कॉलर को उठाना पड़ता हैए क्योंकि फंड रहने के बावजूद पीएचडी वाइवा मद में तत्काल भुगतान

करने का सिस्टम डेवलप नहीं है। इस कारण जिनका वाइवा हैए वे ही सारा खर्च उठाते हैं।

यह शोधार्थी की विवशता है। यह स्थिति तब हैए जब कि रांची विवि से पीएचडी करनेवाले 90 प्रतिशत स्कॉलर्स की आर्थिक स्थिति बेहद खराब होती है। वहींए दूसरी ओर पीएचडी वाइवा एक्सपर्ट को ऑनरेरियम ;स मानद्ध राशि तत्काल भुगतान नहीं होने से यूनिवर्सिटी की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लेकिनए इस स्थिति में बदलाव के लिए आज तक ईमानदार प्रयास नहीं किया गया है।

पीएचडी रिसर्च पर करीब से नजर रख रहे शिक्षकों का कहना है कि पीएचडी वाइवा के 40: मामले में भुगतान नहीं होता है। क्योंकिए बाहर से आने वाले ऐसे स्वाभिमानी एक्सपर्ट जो शोधार्थियों से राशि नहीं लेकर बिल जमा कर देते हैंए जो विवि में ही पड़े रह जाते हैं। शेष 60 फीसदी मामलों में स्कॉलर विवि से राशि प्राप्त कर लेते हैंए क्योंकि वे ही पूरा खर्च उठाते हैं।स्कॉलरों को रिसर्च के प्री सेमिनार से ही खिलाने.पीलाने का दौर शुरू हो जाता हैए जो डिग्री अवार्ड तक चलता है। प्री सेमिनार के समय डीआरसी के सदस्यों व कर्मियों को नाश्ता.पानी देना पड़ता है। अंत में पार्टी ;सब विभाग नहींद्ध देनी पड़ती है।

विवि प्रशासन कई बार इसमें सुधार का प्रयास कर चुका है। पूर्व वीसी प्रो़ आरके पांडेय ने भी प्रयास शुरू किया थाए पर असफल रहे। वहीं अ यर्थियों को खर्च करना विवशता हैए क्योंकि ऐसा नहीं करने पर पीएचडी अवार्ड होना मुश्किल है।

शॉर्ट नोटिस पर निर्माण टूटेगा नहीं, प्रशासन की कार्रवाई गलत–हाईकोर्ट का फैसला

धनबाद ०५/०४ (संवाददाता): धनबाद अंचल के आमाघाटा मौजा की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की दलील खारिज करते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। न्यायमूर्ति राजेश शंकर की बेंच ने सोमवार को धनबाद प्रशासन द्वारा शॉर्ट नोटिस पर मेनका देवी सहित अन्य पर विंध्वसक कार्रवाई को गलत बताया। साथ ही सरकारी जमीन को खाली कराने के लिए सही प्रोसिडिंग अपनाने का आदेश दिया है।

मेनका देवी ने प्रशासन के नोटिस को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दी थीए जिसमें उस आदेश को असंवैधानिक कार्रवाई बताया थाए जिसके तहत शॉर्ट नोटिस में जमीन को खाली करने का आदेश दिया गया था। इससे पूर्व में 24 मार्च 2021 को कोर्ट ने ने राज्य सरकार को किसी भी प्रकार की विध्वंसक एवं दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक लगाते हुए राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

फरवरी 2021 में धनबाद अंचल के आमाघाटा मौजा के खाता नंबर 28 ;पुराना खाताद्ध में लगभग 103 एकड़ सकारी जमीन पर कब्जे की बात सामने आई थी। इसके बाद जांच टीम ने सरकारी जमीन पर 74 लोगों द्वारा अवैध दस्तावेज बना गैरमजरुआ जमीन पर अतिक्रमण पाया था। सबके विरुद्ध सीओ कोर्ट में सुनवाई हुई थी। इसके बाद प्रशासन ने शॉर्ट नोटिस देकर खाली करने को कहा था। इसके बाद 45 लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

अधिवक्ता सिद्धार्थ सुधांशु ने बताया कि हाईकोर्ट के इस आदेश से आमाघाटा मौजा की गैरमजरुआ जमीन को तुरंत खाली करने को लेकर अन्य लोगों को भी राहत मिल सकती है। कोर्ट सरकारी जमीन को खाली करने को लेकर सही प्रोसिडिंग अपनाने को कहा है। इसके लिए सक्षम न्यायालय है।

सरकारी नियंत्रण हटते ही प्लेन किराया आसमान पर, रांची से दिल्ली के लिए देने पड़ रहे 10 हजार

रांची ०५/०४ (संवाददाता): केंद्र सरकार का किराया पर नियंत्रण हटते ही लाइट के किराए ने आसमान छूना शुरू कर दिया है। रांची से दिल्ली का किराया 10 हजार पहुंच गया है। एसा ही हाल रांची से लगभग सभी सेक्टर का हैए जबकि सामान्य दिनों में 4 से 6 हजार के बीच किराया रहता है। किराया बढ़ने का असर यात्रियों पर पड़ा है। एयरपोर्ट पर यात्रियों का मूवमेंट घटा है।

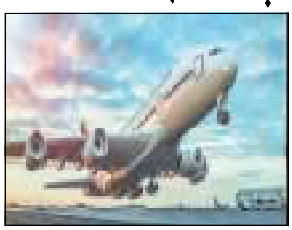

एयरलाइंस के अनुसार रांची से प्रत्येक सेक्टर में 20 से 30 फीसदी यात्रियों की सं या में गिरावट आई हैए रांची से प्रत्येक दिन 20 से 25 लाइट उड़ान भर रही हैए जबकि एयरपोर्ट ऑथोरिटी की फाइल में 32 लाइट्स को उड़ान भरनी है। एयरलाइंस कपंनियां सात से आठ लाइट सर्विस कम दे रही है। इसका सबसे प्रमुख कारण यात्रियों की घटती सं या है।

आनेवाले यात्रियों की सं या काफी है। इस वजह से विमान में टिकटें महंगी हैं। दिल्लीए मुंबईए अहमदाबादए हैदराबादए बेंगलुरू सहित अन्य सेक्टरों की टिकटें भी महंगी है। टिकटों की कीमत 20 से 22 हजार तक पहुंच गई है। एजेंटों का कहना है कि एक सप्ताह में रांची से किसी भी सेक्टर में किराया लगभग 10 हजार है।

रांची आने वाली लाइट का भाड़ा– मुंबई से रांची 20 हजार, बेंगलुरू से रांची 13 से 20 हजार, दिल्ली से रांची 11 से 18 हजार, हैदराबाद से रांची 20 से 22 हजार , अहमदबाद से रांची 13 हजार, देवघर एयरपोर्ट के कारण भी असर . विमान कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि अभी हाल में देवघर एयरपोर्ट से भी विमान सेवा शुरू हो गई है। इसका असर रांची एयरपोर्ट पर दिख रहा है। वहीं देवघर के बगल में दुर्गापुर में एयरपोर्ट का भी असर पड़ा है। वहां से भी यात्रियों की सं या में काफी कमी आई है।

कालाबाजारी में व्यवसायी का था नाम, तीसरी मंजिल से कूद कर दी जान

रांची ०५/०४ (संवाददाता): अरगोड़ा थाना क्षेत्र के ओल्ड पुंदाग में मंगलम इनक्लेव की तीसरी मंजिल से कूदकर दवा व्यवसायी राकेश रंजन ने सुबह 8.15 बजे खुदकुशी कर ली। सूचना मिलते ही अरगोड़ा थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की तहकीकात की।

परिजनों के अनुसार कोविड की दूसरी लहर के दौरान रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी में नाम आने के बाद से ही वे तनाव में थे। उनका दवा का कारोबार भी प्रभावित हुआ था।

आर्थिक रूप से वे परेशान चल रहे थे। इसी वजह से उन्होंने खुदकुशी की।वहीं मृत दवा व्यवसायी राकेश रंजन के पटना में रहनेवाले 14 साल के बेटे रॉनित रंजन ने साजिश के तहत हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। बेटे रॉनित रंजन ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि पिता को साजिश के तहत मारा गया। बताया कि 20 मार्च की सुबह 5 बजे प्रीति रंजन ने फोन पर पिता की मौत की जानकारी दी थी।

प्रीति पिता की दूसरी पत्नी हैं। बेटे के अनुसारए उसकी रात 2ण्22 बजे पिता से बात हुई थी। फोन पर पिता ने उन्हें भी पटना ले चलने की बात कही थी। कहा था कि पटना नहीं ले जाओगे तो ये लोग उन्हें मार देंगे।कोविड की दूसरी लहर में रेमडेसिविर की कालाबाजारी में राकेश रंजन का नाम सीआईडी जांच में आया था। सीआईडी ने जून 2021 में कोर्ट में चार्जशीट भी सौंपी थीए जिसमें बताया था कि 6 रेमडेसिविर इंजेक्शन सृष्टि अस्पताल में भर्ती मरीजों के नाम पर आवंटित थीए पर मरीजों को नहीं दी गई।

अस्पतालकर्मी मनीष सिन्हा ने इंजेक्शन व्यवसायी राकेश रंजन को दी थीए जिसे लेकर मु य आरोपी राजीव कुमार सिंह द्वारा कालाबाजारी की गयी थी। सीआईडी टीम ने राकेश से भी कई बार पूछताछ की थी।

नेतरहाट में 29 सालों से गूंज रही आवाज जान देंगे जमीन नहीं देंगे

महुआडांड़ ०५/०४ (संवाददाता): प्रखंड मु यालय से लगभग से 33 किमी और नेतरहाट से महज 8 किलोमीटर दूरी पर स्थित टुटवापानी नामक स्थान में वर्ष 1994 से नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज के विरोध में जन संघर्ष समिति के नेतृत्व में ग्रामीणों की एक सत्याग्रह आज भी जारी है। प्रकृति की सुंदर वादियों में पिछले 29 सालों से एक गूंज हमेशा सुनाई पड़ती है और वह गूंज है श्जान देंगे ज़मीन नहीं देंगेश। शुरुआत में यह गूंज एक सामान्य नारे जैसा सुनाई पड़ता है लेकिन इस नारे के पीछे एक संघर्षमय इतिहास भी छुपा है। प्रत्येक वर्ष 22 और 23 मार्च को फायरिंग रेंज को रद्द किए जाने का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करने के लिए फील्ड फायरिंग रेंज से प्रभावित गांव के हजारों आदिवासी जमा होते हैं और एक स्वर में श्आवाज दो हम एक हैश् का नारा लगाते हैए जिसके अनुगूंज से भी पूरा पठार सरोबार हो जाता है। इस बारे में संघर्ष के साक्षी रहे जन संघर्ष समिति के सचिव जेरोम जेराल्ड ने बताया कि वर्ष 1966 से सेना ने तोपा यास शुरू किया था लेकिन 1991.92 के बाद तोपा यास फायरिंग रेंज के लिए गांवों की सं या और क्षेत्र का विस्तार किया जाने लगा जिसके बाद फायरिंग रेंज का विरोध शुरू हुआ। नेतरहाट फील्ड फायरिंग से लगभग 90: आदिवासी लोगों को विस्थापित होना पड़ेगाए जिन्हें अपने घर बारए खेत खलिहानए जलए जंगलए धर्मए संस्कृति से भी दूर होना पड़ेगा जो कि आदिवासी जीवन का एक अभिन्न अंग है। प्रोजेक्ट के अनुसार 1471 वर्ग किलोमीटर अधिसूचित क्षेत्र होगा। इसके अंतर्गत 188 वर्ग किमी का संघात क्षेत्र होगा। नेतरहाट के 9 वर्ग किमी और अंदर के 9 वर्ग किमी क्षेत्र में सैनिक शिविर बनेंगे। इस पायलेट प्रोजेक्ट से वर्तमान लातेहार व गुमला के कई गांव प्रभावित होंगेए जिसमें महुआडांड़ के कुल 52 गांवए गुमला जिले के विशुनपुर से 70 गांवए चैनपुर से 46 गांवए डुमरी से 30 गांव घाघरा से 42 गांव हैं।22 और 23 मार्च को फायरिंग रेंज को रद्द किए जाने का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन में किसान नेता राकेश टिकैत भी शामिल होंगे।

Printed, Published, Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Mainroad , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email: kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार राउरकेला, शनिवार 06 अप्रैल 2024 पृष्ठ-6

आरएसपी की हिंदुस्तान स्टील लिमिटेड अंशदायी भविष्य निधि की नियम पुस्तिका का अनावरण

राउरकेला ०५/०४ (संवाददाता): चल रहे डिजिटलीकरण प्रयासों में एक और उल्लेखनीय प्रगति मेंए सेलए राउरकेला स्टील प्लांट ;आरएसपी के वित्त एवं लेखा विभाग ने हिंदुस्तान स्टील लिमिटेड अंशदायी भविष्य निधि की नियम पुस्तिका लॉन्च की है। सेलए राउरकेला स्टील प्लांट ;आरएसपी सह अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टीदल प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री अतनु भौमिक ने मंथन समेलन कक्ष में आयोजित एक समारोह में नियम पुस्तिका का अनावरण किया। कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स श्री एसआर सूर्यवंशी, कार्यपालक निदेशक ;कार्मिक एवं प्रशासन सह अतिरिक्त प्रभार परियोजना श्री तरूण मिश्र, कार्यपालक निदेशक ;खान श्री आलोक वर्मा, कार्यपालक निदेशक ;वित्ति एवं लेखा श्री एण्के बेहुरिया, कई मु य महा प्रबंधक, सहायक मु य सतर्कता अधिकारी ;एसीवीओ, एचएसएल सीपीएफ के ट्रस्टी, वित्त एवं लेखा, कर्मचारी भविष्य निधि ;ईएस.पीएफ से अधिकारीगण और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

निदेशक प्रभारी ने सदियों पुराने दस्तावेज़ को आधुनिक बनाने में पीएफ कर्मीसमूह और ट्रस्टियों के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना कीए जो आने वाले वर्षों के लिए हितधारकों का मार्गदर्शन करने के लिए तैयार है।

उद्यम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कार्यपालक निदेशक ;वित्तर एवं लेखा और ट्रस्ट के अध्यक्ष, श्री एण्के बेहुरिया ने इस बात पर जोर दिया कि चूंकि पुरानी नियम पुस्तिका 1966 की हैए इसलिए निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और पीएफ मामलों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक नई नियम पुस्तिका संकलित करना आवश्यक था। मु य महा प्रबंधक ;एचआरडीसी सुश्री राजश्री बनर्जी और प्रबंधन ट्रस्टी ने फंड प्रबंधन में ट्रस्टियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने आवश्यकतानुसार नियम पुस्तिका में आगामी परिवर्तनों को शामिल करने के महत्व को रेखांकित किया। प्रारंभ में मु य महा प्रबंधक ;परियोजना-वाणिज्यिक और प्रबंधन ट्रस्टी श्री जीएस दास ने निवेश पैटर्न के बारे में विस्तार से बताया। महा प्रबंधक ;वित्तर एवं लेखा श्री दिबाकर परिडा ईएस और ट्रस्ट के सचिव ने कोष के प्रबंधन में ट्रस्ट के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए नई नियम पुस्तिका को संकलित करने में शामिल कठिन चरणों और गतिविधियों का एक संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुमत प्रदान किया।

यूनियन ट्रस्टी श्रीमती पद्मालया धर ने इस तरह की नियम पुस्तिका के अंतिम प्रकाशन के बाद से पर्याप्त अंतर को रेखांकित करते हुएए ऐतिहासिक अवसर की भावना को दोहराया। समारोह का संचालन सहायक महा प्रबंधक ;वित्तं एवं लेखा श्री एनण्सी दास द्वारा किया गया।

हटिया से संबलपुर के बीच मौर्य एक्सप्रेस के ठहराव बढ़ाने की मांग

राउरकेला०५/०४ (संवाददाता): उद्भव के सचिव वेद प्रकाश तिवारी ने एक पत्र के माध्यम से जीएम दपू रेलवेए पूर्व उत्तर रेलवे, पूर्व सेंट्रल रेलवे, ईस्ट कोस्ट रेलवे, पूर्व रेलवे एवं डीआरएम चक्रधरपुर से मांग की है कि हटिया से संबलपुर तक के बीच मौर्य एक्सप्रेस का ठहराव बढ़ाया जाए।

उन्होंने कहा कि दशकों पुरानी मांग एवं एक लंबी लड़ाई के पश्चात विगत 10 मार्च से 15028/27 गोरखपुर हटिया मौर्या एक्सप्रेस ट्रेन का विस्तार संबलपुर तक हुआ।

दशकों के इंतजार के पश्चात राउरकेला के लोगों एवं यात्रियों ने इस अभूतपूर्व पलों का भरपूर आनंद उठाया परंतु इलाके के अधिकतर लोग इस ट्रेन के लगभग 300 किमी से अधिक के विस्तार का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। गोरखपुर से हटिया की दूरी लगभग 849 किमी है।

जिनमे गोरखपुर एवं हटिया को छोड़कर 46 छोटे बड़े स्टेशन हैं। जहां यह ट्रेन रुकती है। वहीं हटिया से विस्तार लगभग 316 किमी का हुआ है। जिसके मध्य यह ट्रेन संबलपुर को छोड़कर मात्र तीन स्टेशनों पर ही रुकती है।

849 किमी के मध्य में 46 स्टेशन यानी औसतन प्रत्येक 18०5 किमी पर एक ठहराव तथा विस्तार के 316 किमी यानी लगभग प्रत्येक 105 किमी पर एक ठहराव यह आसमान अंतर रेलवे के ओडिशा वासियों के प्रति दोहरा मापदंड नहीं है तो क्या है?

यहां तक की मार्ग में पड़ने वाले किऊल और लक्खीसराय के मध्य दूरी मात्र 2 किमी होने के बावजूद भी दोनों स्टेशनों पर मौर्य का ठहराव बना हुआ है। बानोए नुआगांवए राजगंगपुरए बामरा तथा अन्य कई स्टेशनों के निवासी इस ट्रेन के विस्तार का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

आखिर इन लोगों की क्या गलती हैए इन्हें भी इस ट्रेन के विस्तार का लाभ लेने का हक है। तिवारी का कहना है इन्हीं कारणों से मौर्य की र तार धीमी पड़ती जा रहीं है और इसकी औसत र तार विस्तार से पूर्व में 25०25 किमीध्घंटे थी। जो पैसेंजर की औसत से भी कम है

अब इसकी भरपाई अगर ओडिशा में ठहराव ना देकर की जा रही हैए तो यह सही नहीं है। राजगंगपुरए बामराए बानोए नुआगांव तथा अन्य आदिवासी बाहुल्य शहरों में रेलवे को इस ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित करना चाहिए।

कांग्रेस के नेता गणेश्वर बेहरा ने दिया इस्तीफा, पार्टी का जताया आभार

भुवनेश्वर ०५/०४ (संवाददाता): कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री गणेश्वर बेहरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।उन्होंने ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज दिया है। बेहरा ने इंटरनेट मीडिया श्एक्सश् पर अपना इस्तीफा पत्र साझा किया है।

उन्होंने लिखा है कि मैं कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। कांग्रेस पार्टी मुझे एक विधायक और विभिन्न पद पदवी के रूप में लोगों की सेवा करने का अवसर दियाए इसके लिए मैं कांग्रेस पार्टी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं।

गणेश्वर बेहरा केंद्रापड़ा जिले के पट्टामुंडई से कांग्रेस के टिकट पर दो बार विधानसभा के लिए चुने गए थे। वह 1985 से 1990 तक और 1995 से 2000 तक विधानसभा के सदस्य रहे। 2000 और 2004 में उन्होंने पट्टामुंडई से चुनाव लड़ा और हार गए।गणेश्वर बेहरा ने 2009ए 2014 और 2019 में केंद्रपाड़ा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और बीजद उ मीदवार से हार गए थे।गणेश्वर बेहरा पीसीसी मीडिया सेल के अध्यक्ष थे। जनवरी में उन्हें पद से हटाकर विश्वरंजन मोहंती को मीडिया सेल का चेयरमैन बनाया गया था।

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी नियुक्त होने के बाद डॉण् अजय कुमार ने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य में खनन घोटाला प्रसंग पर जो तथ्य रखाए उसे पार्टी की प्रेस रिलीज में जगह नहीं दी गई थी। ऐसे में उनके खिलाफ इस तरह की कार्रवाई किए जाने की चर्चा उस समय हुई थी। अब गणेश्वर बेहरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

एसयूसीआई पार्टी ने की उमीदवारों के नाम किए घोषित

कटक ०५/०४ (संवाददाता): एसयूसीआई क युनिस्ट की ओर से कटक चुनाव क्षेत्र में चुनाव लड़ने के लिए तैयार पार्टी के प्रार्थियों के नाम की घोषणा की गई है। कटक लोकसभा क्षेत्र से राजकिशोर मलिक उ मीदवार होंगे।

जबकि कटक सदर विधानसभा से परमानंद सेठीए चौद्वार कटक विधानसभा क्षेत्र से खगेश्वर सेठीए बारबाटी कटक विधान सभा चुनाव क्षेत्र से अक्षय राउलए बांकी विधान सभा चुनाव क्षेत्र से मालविका सामल आगामी साधारण चुनाव में पार्टी की ओर से चुनाव लड़ेंगे। कटक बाखरा बाद गांधी भवन में गुरूवार को आयोजित एक पत्रकार स मेलन में एसयूसीआई क युनिस्ट के कटक जिला सचिव विश्वाबसु दास ने इन प्रार्थियों के नाम की घोषणा की है।इस पत्रकार स मेलन में यह स्पष्ट किया गया कि सीपीआईएसीपीएम और सीपीआई ;एमएलद्ध जैसी वामपंथी दल के नेताओं ने संयुक्त तौर पर चुनाव ना लड़कर विभिन्न जगहों पर इस बार की चुनाव में वोट के हथकंडे अपनाने वाली पार्टियों के साथ मिलकर गठबंधन करने की घटना को एसयूसीआई क युनिस्ट ने कड़ी निंदा की है और इस बार चुनाव में एसयूसीआई क युनिस्ट यहां पर अकेला चुनाव लड़ेगाए यह घोषणा की है। इस बार एसयूसीआई क यूनिस्ट बेरोजगारीए महंगाईए शिक्षा स्वास्थ्यए निजी बिजली कंपनीयों की शोषणए किसान की समस्याए स्थनीय समस्या आदि मुद्दों के लेकर चुनावी मैदान में उतरेगी। इस पत्रकार स मेलन में एसयूसीआई क यूनिस्ट के लोकसभाए विधानसभा क्षेत्र के प्रार्थियों के साथ.साथ जिला कमेटी के सदस्य बसंत नायकए बॉबी बलवंतरायएसिद्धार्थ रथए भाग्यरवि दासएविनोद सेठीएईशा धरए तरुण सेन नायक प्रमुख मौजूद थे।

संवेदनशील बूथों पर पुलिस का एक्शन प्लान तैयार, अपराधियों को किया जाएगा तड़ीपार

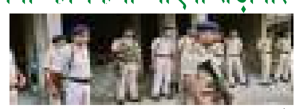

कटक ०५/०४ (संवाददाता): कटक कमिश्नरेट पुलिस के अधीन कुल 722 बूथ मौजूद हैं और इनमें से 125 बूथ संवेदनशील बूथ हैं। इन सभी संवेदनशील बूथ में पिछले तीन महीने के अंदर 2 लाख नकद रुपयेए 30 लाख रुपये की देशी विदेशी शराबए 178 किलो वजन का गांजाए 566 ग्राम वजन का ब्राउन शुगर बरामद हुई है।

पेशेवर अपराधियों के पास से 10 बंदूक भी बरामद की गई है। अपराधियों के दमन करने के लिए साधारण चुनाव से पहले कमीश्नरेट पुलिस व्यापक तैयारी शुरू कर दिया है। अपराधियों के ऊपर सिकंजा कसने के लिए अभी तक 63 अपराधियों के नाम पर सीआरपीसी की धारा 110 लागू किया गया है।झमेला करने की आशंका को देखते हुए तथा अनुशासन के चलते 1332 लोगों के नाम पर 107 धारा के तहत नोटिस जारी की गई है। एनबीडब्ल्यू ;नॉन बेलेबल वारंटद्ध के द्वारा 283 लोगों को गिर तार कर कोर्ट चालान किया गया है।अब थाने के हिसाब से रहने वाली एनबीडब्ल्यू को थाने की नोटिस बोर्ड में लगाया जाएगा और इसकी सूची तैयार की गई है। दूसरी ओर बंदूक प्राप्त करने वाले व्यक्तियों में से 297 लोगों ने बंदूक और लाइसेंस थाने में जमा किया है। चुनाव से पहले कुछ अपराधियों को तड़ीपार करने के लिए भी योजना की जा रही है।उस दिशा में पुलिस की ओर से ठोस कदम उठाया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर संजीव पंडा कटक डीसीपी कार्यालय में आयोजित पत्रकार स मेलन में यह जानकारी दी है। इस मौके पर कटक डीसीपी कंवर विशाल सिंह और कटक कमीश्नरेट पुलिस के अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

सड़क हादसा में दो की मौत और चार घायल, महाप्रभु के करने जा रहे थे दर्शन

भुवनेश्वर ०५/०४ (संवाददाता): भद्रक ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत नलांग साईं मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग.16 पर आज तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। एक स्कॉर्पियो गाड़ी से पश्चिम बंगाल के 6 लोग पुरी जगन्नाथ महाप्रभु का दर्शन करने आ रहे थे। स्कॉर्पियो ने नलांग साईं मंदिर के पास एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियों के परखच्चे उड़ गए हैं। घटनास्थल पर ही दो लोगों की मौत हो गईए चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। दो मृतकों में स्कॉर्पियो चालक एवं एक महिला यात्री होने की बात पता चली है। दोनों पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।हादसे की सूचना मिलने के बाद भद्रक ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक एवं घायलों को निकालकर भद्रक जिला मु य अस्पताल ले गई। पुलिस ने कहा है कि पश्चिम बंगाल के ये यात्री पुरी जगन्नाथ महाप्रभु का दर्शन करने के लिए पुरी जा रहे थे।मृतक महिला का नाम प मा परिड़ा है। मृतक ड्राइवर का परिचय नहीं मिला है। घायलों को ग भीर अवस्था में पहले भद्रक अस्पताल एवं फिर कटक स्थानांतरित कर दिया गया है। भद्रक ग्रामीण पुलिस एक मामला दर्ज कर घटना की छानबीन कर रही है।

उत्पादकता बढ़ाएँ, सुरक्षा सुनिश्चित करें, स्थिरता को बढ़ावा दें और बाज़ार में उपस्थिति का विस्तार करें-भौमिक

राउरकेला ०५/०४ (संवाददाता):कर्मचारियों को वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों और प्रमुख रणनीतिक पहलों से अवगत कराने के लिए सेलए राउरकेला स्टील प्लांट ;आरएसपी के गोपबंधु सभागार में चुनौती नामक एक विशेष विचार.विमर्श सत्र आयोजित किया गया था।

सेल आरएसपी सह अतिरिक्त प्रभारी बोकारो स्टील प्लांरट के निदेशक प्रभारी श्री अतनु भौमिक ने वित्त वर्ष 2024-25 में लक्ष्यों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा ष्उत्पादकता बढ़ाएँ, सुरक्षा सुनिश्चित करें, स्थिरता को बढ़ावा देंए और बाज़ार में उपस्थिति का विस्तार करें। कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स श्री एसण्आर सूर्यवंशी, कार्यपालक निदेशक ;एमएण्डएचएस डॉण् बीण्के होता, कार्यपालक निदेशक ;कार्मिक एवं प्रशासन सह अतिरिक्त प्रभार परियोजना श्री तरूण मिश्रए कार्यपालक निदेशक ;खान श्री आलोक वर्माए कार्यपालक निदेशक ;वित्त एवं लेखा श्री एण्के बेहुरिया भी मच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में कई मु यर महा प्रबंधक, विभागाध्यक्ष, शि ट प्रभारी और माइंस सहित आरएसपी के विभिन्न विभागों के लगभग 500 कर्मचारी शामिल हुए। प्रमुख रणनीतिक निर्णयों के बारे में आरएसपी कर्मीसमूह को सूचित करते हुएए श्री भौमिक ने कहा कि विभिन्न इकाइयों के संचालन के नकारात्मक वित्तीय प्रभावों को ध्यान में रखते हुएए ब्लास्ट फर्नेस-4 को शट डाउन करने और समीप हॉट स्ट्रिप-1 और कोल्ड रोलिंग मिल को शट डाउन करने का निर्णय लिया गया है।

इन इकाइयों को शट डाउन करने का निर्णय आरएसपी के बॉटम लाइन निचली रेखा में सुधार के लिए लिया गया है।

अब आरण्एसपी कर्मीसमूह के लिए दो फर्नेस से 4.73 मिलियन टन हॉट मेटल के उत्पादन का लक्ष्य हासिल करना एक चुनौती है और हम सभी को इसे स्वीकार करना होगा।

श्री सूर्यवंशी ने अपनी प्रस्तुति में वित्त वर्ष 2023-24 के संभावित प्रदर्शन और वित्त वर्ष 24-25 के लिए प्रत्येक इकाई और आरएसपी के सामूहिक के लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एसडब्ल्यूओटी ;ताकत, कमजोरी, अवसर और खतरा विश्लेषण के माध्यम से आरएसपी के सामने आने वाली चुनौतियों और आगामी वित्तीय वर्ष में इसे दूर करने की रणनीतियों के बारे में जानकारी दी।

श्री बेहुरिया ने ब्लास्ट फर्नेस-4, सीआरएम और एचएसएम-2 को चलाने के वित्तीय निहितार्थों के बारे में बताया। उन्होंने विभिन्न परिदृश्यों की तुलना की और लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ.साथ आरएसपी के बॉटम लाइन में सुधार के लिए सर्वोत्तम परिदृश्य पर प्रकाश डाला।

बाद मेंए बातचीत सत्र के दौरान, कर्मचारियों ने उत्पादन, उत्पादकता, रखरखाव और सुरक्षा मुद्दों से संबंधित सुझाव दिए।अपने समापन टिप्पणी में निदेशक प्रभारी ने विचार.विमर्श का सार बताया और कहाए श्हमें चुनौती स्वीकार करनी होगी और लक्ष्य हासिल करना होगा। विफल होने का कोई प्रावधान नहीं हैए क्योंकि यह हमारे संगठन की स्थिरता से संबंधित है।प्रारंभ में सत्र की शुरुआत राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ हुई। इसके बाद जनसंपर्क विभाग द्वारा बनाई गई प्रेरक वीडियो फिल्म का प्रदर्शन किया गया। वरिष्ठ प्रबंधक ;एचआरडीसी सुश्री अर्नपूर्णा बेहेरा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/